epaper.dehatsandesh.com

3 जेकेएनसी ने पंचायत और शहरी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए कमर कसी

5 सबालेंका ने जराजुआ को हराकर सत्र की शुरूआत की

8 जाड़ा, गर्मी और बरसाती खीरा की आधुनिक खेती जानकारी

मौसम जम्मू न्यूनतम 11 अधिकतम 18

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-02 | जम्मू तवी, वीरवार 02 जनवरी, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

डीएपी उर्वरक के लिए 3,850 करोड़ रुपये तक के एकमुश्त विशेष पैकेज को मंजूरी

नई दिल्ली, 1 जनवरी । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में किसानों के लिए डाई-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) फर्टिलाइजर के लिए अतिरिक्त सब्सिडी को मंजूरी दी है। कैबिनेट के फैसले की जानकारी देते हुए केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सरकार ने डीएपी फर्टिलाइजर के लिए 3,850 करोड़ रुपये का एकमुश्त पैकेज दिया है। किसानों को 1,350 रुपये प्रति 50 किलोग्राम की दर से डीएपी उर्वरक मिलता रहेगा। अतिरिक्त लागत सरकार वहन करेगी।

उन्होंने बताया कि कैबिनेट ने किसानों को किफायती कीमतों पर डीएपी की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एक जनवरी 2025 से अगले आदेश तक एनबीएस सब्सिडी से परे डाई-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) पर एकमुश्त विशेष पैकेज के विस्तार को मंजूरी दी। उन्होंने बताया कि भू-राजनीतिक कारणों से डीएपी की वैश्विक बाजार कीमतें अस्थिर हैं लेकिन अतिरिक्त खर्च सरकार वहन करेगी। उन्होंने बताया कि लाल सागर जैसे प्रमुख समुद्री मार्ग संघर्षों के कारण असुरक्षित हैं। मालवाहक जहाजों को भारत में उर्वरक लाने के लिए केप ऑफ गुड होप के रूट का इस्तेमाल करना पड़ता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतार-चढ़ाव का भारत में उर्वरकों की कीमत पर असर पड़ेगा। 2014 से प्रधानमंत्री मोदी ने सुनिश्चित किया है कि किसानों को कोविड और युद्ध संबंधी व्यवधानों के कारण बाजार में उतार-चढ़ाव का खमियाजा न उठाना पड़े। 2014-24 तक उर्वरक सब्सिडी 11.9 लाख करोड़ थी, जो 2004-14 (5.5 लाख करोड़ रुपये) से दोगुनी है।

इस फैसले से क्या होगा लाभ-

किसानों को सब्सिडी वाले, किफायती और उचित मूल्य पर डीएपी की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

किसानों को किफायती मूल्य पर डीएपी उर्वरक की सुचारू उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए स्वीकृत एनबीएस सब्सिडी के अतिरिक्त एक जनवरी 2025 से अगले आदेश तक डीएपी पर 3,500 रुपये प्रति मीट्रिक टन की दर से विशेष पैकेज प्रदान किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि उर्वरक निर्माताओं/आयातकों के माध्यम से किसानों को रियायती मूल्य पर 28 ग्रेड के पीएंडके उर्वरक उपलब्ध कराए जाते हैं। पीएंडके उर्वरकों पर सब्सिडी एक अप्रैल 2010 से एनबीएस योजना द्वारा शासित है। किसानों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए, भारत सरकार ने डाई-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) उर्वरक की कीमत को अपरिवर्तित रखते हुए किसानों को बड़ी राहत दी है।

इस साल कृषि और संबद्ध क्षेत्र की विकास दर 3.5 से 4 प्रतिशत रहने की संभावना : शिवराज

नई दिल्ली, 01 जनवरी । केंद्रीय ग्रामीण विकास और कृषि एवं किसान कल्याण इस साल कृषि और संबद्ध क्षेत्र की विकास दर 3.5 से 4 प्रतिशत रहने की संभावना- शिवराज

नई दिल्ली, 01 जनवरी (हि.स.)। केंद्रीय ग्रामीण विकास और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को दिल्ली में आयोजित प्रेसवार्ता में कहा कि देश के कृषि और संबद्ध क्षेत्र के चालू वित्त वर्ष 2024-25 में 3.5-4 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। यह 2023-24 में दर्ज 1.4 प्रतिशत की वृद्धि से उल्लेखनीय सुधार होगा। चौहान ने पिछले छह महीनों में लागू की गई विभिन्न ग्रामीण कल्याण पहल पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत के विकास पथ पर विश्वास व्यक्त किया।

नये साल पर सभी देशवासियों, किसान भाइयों और बहनों को, हमारे गरीब और ग्रामीण भाई बहनों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों के कल्याण की अनेकों योजनाएं पिछले 06 माह में क्रियान्वित की गई है।

नव वर्ष शुभ समाचार लेकर आया है, इस साल कृषि और संबद्ध क्षेत्र की विकास दर 3.50 से 4 प्रतिशत रहने की संभावना है। किसान भाइयों और बहनों को अपने उत्पाद की पूरी कीमत मिले, इसके लिए निरंतर प्रयास

जारी है।

ग्रामीण विकास में चाहे गरीबों के घर बनाना हो, गांव को पक्की सड़कों से जोड़ना हो, कौशल उन्नयन का काम हो, मनरेगा के माध्यम से रोजगार देना हो ग्रामीण मजदूरों को या लखपति दीदी अभियान निरंतर चल रहा है और ग्रामीण भाई और बहनों की जिंदगी को भी बदल रहा है।

उन्होंने पूरा विश्वास जताया कि 2025 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत की प्रगति और विकास के लिए नई कहानी लिखेगा। भारत, विकसित भारत बनने की दिशा में हमारा देश तेजी से आगे बढ़ेगा। उन्होंने आह्वान किया कि

देश की प्रगति और विकास के लिए सभी को अपने-अपने कर्तव्यों का निर्वाह करते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने का काम करना चाहिए।त्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को दिल्ली में आयोजित प्रेसवार्ता में कहा कि देश के कृषि और संबद्ध क्षेत्र के चालू वित्त वर्ष 2024-25 में 3.5-4 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। यह 2023-24 में दर्ज 1.4 प्रतिशत की वृद्धि से उल्लेखनीय सुधार होगा। चौहान ने पिछले छह महीनों में लागू की गई विभिन्न ग्रामीण कल्याण पहल पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत के विकास पथ पर विश्वास व्यक्त किया।

नये साल पर सभी देशवासियों, किसान भाइयों और बहनों को, हमारे गरीब और ग्रामीण भाई बहनों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों के कल्याण की अनेकों योजनाएं पिछले 06 माह में क्रियान्वित की गई है।

नव वर्ष शुभ समाचार लेकर आया है, इस साल कृषि और संबद्ध क्षेत्र की विकास दर 3.50 से 4 प्रतिशत रहने की संभावना है। किसान भाइयों और बहनों को अपने उत्पाद की पूरी कीमत मिले, इसके लिए निरंतर प्रयास जारी है।

ग्रामीण विकास में चाहे गरीबों के घर बनाना हो, गांव को पक्की सड़कों से जोड़ना हो, कौशल उन्नयन का काम हो, मनरेगा के माध्यम से रोजगार देना हो ग्रामीण मजदूरों को या लखपति दीदी अभियान निरंतर चल रहा है और ग्रामीण भाई और बहनों की जिंदगी को भी बदल रहा है।

सरकार किसानों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, 1 जनवरी । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2025 की पहली कैबिनेट में लिए गए प्रमुख निर्णयों के आलोक में बुधवार को दोहराया कि सरकार किसानों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

प्रधानमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा, 卐हमारी सरकार किसानों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हमें अपने सभी किसान बहनों और भाइयों पर गर्व है जो हमारे देश का पेट भरने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। 2025 की पहली कैबिनेट हमारे किसानों की समृद्धि बढ़ाने के लिए समर्पित है। मुझे खुशी है कि इस संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं।

उन्होंने एक अन्य पोस्ट में कहा कि नए वर्ष का पहला निर्णय हमारे देश के करोड़ों किसान भाई-बहनों को समर्पित है। हमने फसल बीमा के लिए आवंटन बढ़ाने को मंजूरी दी है। इससे जहां अन्नदाताओं की फसलों को और ज्यादा सुरक्षा मिलेगी, वहीं नुकसान की चिंता भी कम होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि डाय-अमोनियम फॉस्फेट पर एकमुश्त विशेष पैकेज बढ़ाने के कैबिनेट के फैसले से हमारे किसानों को किफायती कीमतों पर डीएपी उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में नए साल के प्रथम दिन केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में किसानों के लिए दो बड़े फैसले लिये गये। सरकार ने फसल बीमा योजना के आवंटन को बढ़ाकर 69,515 करोड़ रुपये करने के साथ ही किसानों के लिए डाई-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) फर्टिलाइजर के लिए अतिरिक्त सब्सिडी को मंजूरी दी। सरकार ने डीएपी फर्टिलाइजर के लिए 3,850 करोड़ रुपये का एकमुश्त पैकेज दिया है। किसानों को 1,350 रुपये प्रति 50 किलोग्राम की दर से डीएपी उर्वरक मिलता रहेगा

नए साल की पहली कैबिनेट बैठक किसानों के नाम, फसल बीमा योजना के लिए बढ़ाई धनराशि

नई दिल्ली, 01 जनवरी। नए साल के पहले दिन बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक हुई, जो किसानों को समर्पित रही। इस बैठक में मोदी सरकार ने देश के किसानों के लिए दो बड़े फैसले लिये। फसल बीमा योजना के आवंटन को बढ़ाकर 69,515 करोड़ रुपये करने को मंजूरी दी गई।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया सेंटर में आयोजित पत्रकार वार्ता में मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी दी। वैष्णव ने कहा कि इस निर्णय से 2025-26 तक देशभर के किसानों के लिए गैर-रोकथाम योग्य प्राकृतिक आपदाओं से फसलों के जोखिम कवरेज में मदद मिलेगी। इसके अलावा योजना के क्रियान्वयन में बड़े पैमाने पर प्रौद्योगिकी के उपयोग से पारदर्शिता और दावों की गणना तथा निपटान में वृद्धि होगी। इसके लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 824.77 करोड़ रुपये की राशि के साथ नवाचार और प्रौद्योगिकी कोष (एफआईएटी) के निर्माण को भी मंजूरी दी है।

इस कोष का उपयोग योजना के तहत प्रौद्योगिकी पहलों जैसे यस-टेक, विंड्स आदि के साथ-साथ अनुसंधान और विकास अध्ययनों के वित्तपोषण के लिए किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी आधारित उपज अनुमानों के लिए न्यूनतम 30 प्रतिशत भार के साथ रिमोट सेंसिंग प्रौद्योगिकी उपयोग की जाती है। वर्तमान में 9 प्रमुख राज्य इसे लागू कर रहे हैं, जिनमें आंध्र प्रदेश, असम, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, तमिलनाडु और कर्नाटक शामिल हैं। अन्य राज्यों को भी तेजी से इसमें शामिल किया जा रहा है। इस प्रौद्योगिकी के व्यापक कार्यान्वयन के साथ फसल कटाई प्रयोग और संबंधित मुद्दे धीरे-धीरे समाप्त हो जाएंगे।

भारत और पाकिस्तान ने एक-दूसरे की जेलों में बंद कैदियों की सूची साझा की : वदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 1 जनवरी । भारत और पाकिस्तान ने बुधवार को एक-दूसरे की जेलों में बंद नागरिक कैदियों की सूचियों का आदान-प्रदान किया। भारत ने 81 मछुआरों सहित 462 पाकिस्तानी कैदियों और पाकिस्तान ने 217 मछुआरों सहित 266 भारतीय कैदियों की सूची साझा की।

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि 2008 में हुए द्विपक्षीय काउंसलर एक्सेस समझौते के प्रावधानों के तहत हर साल 1 जनवरी और 1 जुलाई को ऐसी सूचियों का आदान-प्रदान किया जाता है। इसमें कहा गया है, 卐भारत और पाकिस्तान ने आज नई दिल्ली और इस्लामाबाद में राजनयिक माध्यमों से एक-दूसरे की हिरासत में बंद नागरिक कैदियों की सूचियों का आदान-प्रदान किया।

बयान में कहा गया है कि भारत

ने अपनी जेलों में बंद 81 मछुआरों सहित 462 कैदियों के नाम साझा किए हैं, जो पाकिस्तानी हैं या जिनके बारे में माना जाता है कि वे पाकिस्तानी हैं। इसी तरह पाकिस्तान ने अपनी जेलों में बंद 217 मछुआरों सहित 266 कैदियों के नाम साझा किए हैं, जो भारतीय हैं या जिनके बारे में माना जाता है कि वे भारतीय हैं। मंत्रालय ने कहा कि सरकार के निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप 2014 से अब तक 2,639 भारतीय मछुआरों और 71 नागरिक कैदियों को पाकिस्तान से वापस लाया गया है।

हाई पावर कमेटी की बैठक में शामिल नहीं होगा संयुक्त किसान मोर्चा

चंडीगढ़, 01 जनवरी । पंजाब के शंभू व खनौरी में चल रहे किसान आंदोलन पर अब किसान संगठनों ने अलग-अलग फैसले लेने शुरू कर दिए हैं। सोमवार को हुई बैठक के बाद संयुक्त किसान मोर्चा ने ऐलान किया है कि किसान आंदोलन को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित हाई पावर कमेटी की तीन जनवरी को होने वाली बैठक में मोर्चा शामिल नहीं होगा। एसकेएम ने शंभू और खनौरी मोर्चे में कोई भूमिका न होने के चलते यह फैसला लिया गया है। जबकि पहले दावा किया गया था कि संयुक्त किसान मोर्चे के नेता बैठक में शामिल होंगे।

शाह गुरुवार को 'जम्मू कश्मीर और लद्दाख थ्रू द एजेस' नामक पुस्तक का विमोचन करेंगे

नई दिल्ली, 1 जनवरी । केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह गुरुवार को नई दिल्ली में 'जम्मू कश्मीर और लद्दाख- थ्रू द एजेस' नामक पुस्तक का विमोचन करेंगे। यह पुस्तक जम्मू कश्मीर और लद्दाख की कहानी को प्रस्तुत करने का प्रयास करती है। हिंदी और अंग्रेजी में प्रकाशित यह पुस्तक नेशनल बुक ट्रस्ट, भारत और भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है।

शिक्षा मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में कहा कि दिल्ली के डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान मुख्य अतिथि होंगे। कार्यक्रम में प्रख्यात लेखक, शिक्षाविद, शिक्षा मंत्रालय के अधिकारी और अन्य गण्यमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहेंगे। जम्मू कश्मीर और लद्दाख- थ्रू द एजेस' शीर्षक वाली पुस्तक जम्मू कश्मीर और लद्दाख की कहानी को प्रस्तुत करने का प्रयास करती है। शीर्षक जम्मू कश्मीर और लद्दाख की कहानी को एक ऐसे परिप्रेक्ष्य और प्रारूप से प्रलेखित करने का प्रयास करता है, जो विषय विशेषज्ञ और कम जानकार दोनों के लिए एक सिंहावलोकन सक्षम बनाता है।

सीमा पार से दिखी संदिग्ध गतिविधि, बीएसएफ ने की गोलीबारी

जम्मू, 01 जनवरी । नए साल की मध्यरात्रि को आरएस पुरा सेक्टर में पाकिस्तान की ओर से संदिग्ध गतिविधि देखने के बाद सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने गोलीबारी की। सूत्रों ने बताया कि देर रात आरएस पुरा सेक्टर में बीएसएफ के सतर्क जवानों ने पाकिस्तान की ओर से संदिग्ध गतिविधि देखने पर गोलीबारी की। इस दौरान बीएसएफ के संतरी ने एक दर्जन से अधिक राउंड फायर किए। सूत्रों ने बताया कि घुसपैठ की आशंका के चलते अग्रिम क्षेत्रों में तलाशी अभियान शुरू किया गया है।

रक्षा मंत्रालय ने वर्ष 2025 को 'सुधारों का वर्ष' घोषित किया

नई दिल्ली 01 जनवरी रक्षा मंत्रालय ने वर्ष 2025 को 'सुधारों का वर्ष' घोषित किया है, जिसका उद्देश्य सशस्त्र बलों को एक साथ कई क्षेत्रों में संचालन में सक्षम बनाना और उन्नत प्रौद्योगिकी से लैस लड़ाकू सेना बनाना है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विभिन्न योजनाओं, परियोजनाओं, सुधारों और प्रगति की समीक्षा के लिए नव वर्ष की पूर्व संध्या पर मंत्रालय के सभी सचिवों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की। रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में कहा कि श्री सिंह ने विश्वास जताया कि यह सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। उन्होंने कहा, 卐 यह देश की रक्षा तैयारियों में अभूतपूर्व प्रगति की नींव रखेगा, इस प्रकार 21वीं सदी की चुनौतियों के बीच राष्ट्र की सुरक्षा और संप्रभुता सुनिश्चित करने की तैयारी करेगा 卐। सुधारों का उद्देश्य संयुक्तता और एकीकरण पहल को और मजबूत करना और एकीकृत थिएटर कमान की स्थापना को सुविधाजनक बनाना होगा। रक्षा मंत्रालय ने 2025 में साइबर और अंतरिक्ष जैसे नए डोमेन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, हाइपरसोनिक्स और रोबोटिक्स जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों सहित केंद्रित हस्तक्षेप के लिए व्यापक क्षेत्रों की पहचान की है। इसके अलावा, भविष्य के युद्धों को जीतने के लिए आवश्यक संबंधित रणनीति, तकनीक और प्रक्रियाएं भी विकसित की जाएंगी। एक अन्य क्षेत्र जिसकी पहचान की गई है, वह है अधिग्रहण प्रक्रियाएं, जिन्हें तेज और मजबूत क्षमता विकास की सुविधा के लिए सरल और समय-संवेदनशील बनाने की आवश्यकता है। रक्षा क्षेत्र और नागरिक उद्योगों के बीच प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और ज्ञान साझा करने को सुविधाजनक बनाने, व्यापार करने में आसानी में सुधार करके सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ावा देने पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

दक्षिण कश्मीर में जैश के चार सहयोगी गिरफ्तार

श्रीनगर, 01 जनवरी। जम्मू-कश्मीर के अवंतीपोरा उप-जिले में सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित जैश-ए-मोहम्मद के चार आतंकवादी सहयोगियों को गिरफ्तार किया है पुलिस ने चार आतंकवादी सहयोगियों की पहचान त्राल पाईन के मुदासिर अहमद नाइक, कुचमुल्ला के उमर नजीर शेख, त्राल पाईन के इनायत फिरदौस राथर और कौंसरबल त्राल निवासी नजीर अहमद लोन के पुत्र सलमान नजीर लोन के रूप में की है।

श्री वैष्णो देवी मंदिर के 94.83 लाख तीर्थयात्रियों ने किये दर्शन

श्रीनगर, 01 जनवरी। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले के कटरा शहर की त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित श्री माता वैष्णो देवी मंदिर के 2024 में, करीब 94.83 लाख तीर्थयात्रियों ने दर्शन किये हैं।

श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अंशुल गर्ग ने 'एक्स' पर लिखा, वर्ष 2024 में लगभग 94.83 लाख तीर्थयात्रियों ने श्री माता वैष्णो देवी मंदिर में दर्शन किये, जो एक दशक में दूसरी सबसे बड़ी संख्या है। उन्होंने कहा, माता रानी श्राइन बोर्ड पर अपना आशीर्वाद बनाये रखें, क्योंकि बोर्ड ने वर्ष 2025 में तीर्थयात्रियों की सेवाओं को और बेहतर करने का प्रयास जारी रखने का संकल्प लिया है।

जम्मू-कश्मीर के विभिन्न भागों के लिए विशाल रेलवे संपर्क : वाई.वी. शर्मा

जम्मू, 1 जनवरी। जम्मू-कश्मीर के लोगों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए भाजपा प्रवक्ता वाई.वी. शर्मा ने जम्मू रेलवे डिवीजन के आगामी शुभारंभ पर निवासियों को बधाई दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 6 जनवरी को वर्चुअली उद्घाटन किए जाने वाले इस डिवीजन से पूरे केंद्र शासित प्रदेश में रेल संपर्क का विस्तार करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। शर्मा ने इस बात पर प्रकाश डाला कि जम्मू रेलवे डिवीजन की स्थापना से न केवल रोजगार के कई अवसर पैदा होंगे बल्कि जम्मू-कश्मीर के पहले से असंबद्ध क्षेत्रों में रेल बुनियादी ढांचे का विस्तार भी होगा।

गौरतलब है कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना का उद्देश्य जम्मू-कश्मीर को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ना है जिससे क्षेत्रीय संपर्क और पहुंच में बदलाव आएगा। यह डिवीजन लंबे समय से प्रतीक्षित 223 किलोमीटर लंबी जम्मू-अखनूर-पुंछ रेलवे लाइन को महत्वपूर्ण बढ़ावा देने के लिए तैयार है जो इन क्षेत्रों के निवासियों के लिए एक गेम-चेंजर साबित होगी। शर्मा ने कहा यह परियोजना जम्मू क्षेत्र में व्यापार और औद्योगिक क्षेत्रों के लिए एक वरदान है और इससे आर्थिक समृद्धि और विकास का मार्ग प्रशस्त होने की उम्मीद है।

गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के पावन प्रकाश उत्सव को लेकर निकाला गया विशाल नगर कीर्तन

आरएस पुरा, 1 जनवरी। गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के पावन प्रकाश उत्सव को लेकर बुधवार को ऑल जम्मू कश्मीर लबाना समाज की तरफ से जिला गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सहयोग के साथ आरएस पुरा क्षेत्र में भव्य एवं विशाल नगर कीर्तन निकाला गया जो गांव कोटली अर्जुन सिंह से गुरु जी के पांच प्यारों की अगुवाई में आरंभ हुआ और गांव कोटली दुल्ला, ठीकरिया, बग्गामड़, गेगिया, दलजीत चौक से होते हुए तहसील बाजार में पहुंचा और उसके उपरांत कस्बे स्थित सेंट्रल गुरुद्वारा में जाकर संपन्न हुआ। नगर कीर्तन में सबसे आगे गतका पार्टी के सदस्य चल रहे थे जो हैरान करने वाले करतब दिखा रहे थे और उसके उपरांत सेवादार फूलों से सजी गुरु जी की पालकी के स्वागत के लिए रास्ता साफ कर रहे थे और उसके पीछे चल रही गुरुजी की पालकी के समक्ष संगत द्वारा माथा टेका गया और प्रसाद ग्रहण किया गया। इसके पीछे काफी संख्या में संगत शब्द कीर्तन के माध्यम से गुरुजी का गुणगान करते हुए चल रही थी जिससे सारा माहौल गुरुजी के रंग में रंगा हुआ नजर आया। नगर कीर्तन में शामिल संगत के स्वागत के लिए स्थानीय लोगों की तरफ से जगह-जगह पर स्टाल लगाकर स्वागत किया और संगत की तरफ से वहां पर प्रसाद ग्रहण किया गया। इस मौके पर सिख प्रचारकों की तरफ से गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के जीवन पर प्रकाश

डाला गया और बताया गया कि किस तरह से गुरु गोविंद सिंह जी महाराज ने अपना पूरा जीवन और परिवार देश और धर्म को समर्पित कर दिया। इस मौके पर जिला गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान रणजीत सिंह टोहरा, सरदार ओंकार सिंह आदि ने बताया कि गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के प्रकाश उत्सव को लेकर हर वर्ष क्षेत्र में भव्य नगर कीर्तन का आयोजन किया जाता है जिसमें आसपास के गांव की संगत हिस्सा लेती है।

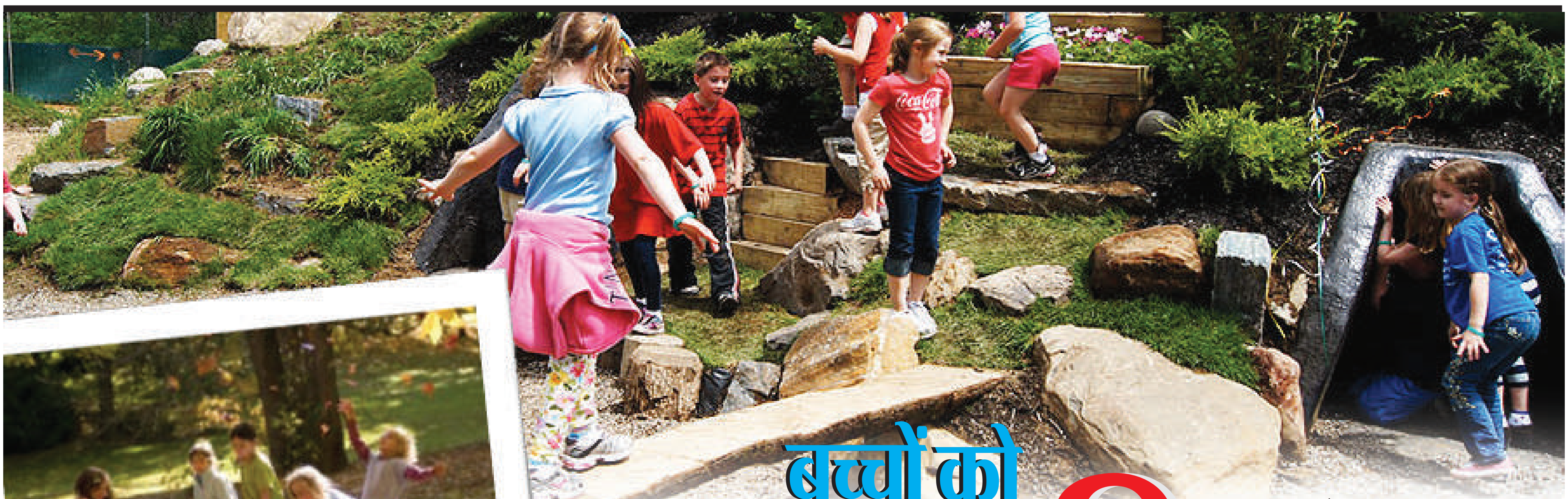

बच्चों को प्रकृति के साथ जोड़े रखने के खास उपाय

अगर आप अपने बच्चों को प्रकृति के साथ भी जोड़ना चाहते है तो आपको बच्चें बनकर उनके साथ समय बीताना चाहिए। पर प्रकृति के साथ पलना-बढ़ना शायद बीते जमाने की बात हो चुकी है, पर इन बातों का ध्यान रख कर बच्चों को प्रकृति के करीब ला सकते हैं। जानें कैसे बच्चों को प्रकृति के साथ जीना सिखाएं...

-बच्चें को प्रकृति के करीब लाए

आजकल इतने ज्यादा स्मार्टफोन हो गए है कि हर बच्चे के हाथ में देखने को मिलता है। यहां तक कि बच्चों ने इस फोन को ही अपना बेस्ट फ्रेंड बना लिया है जो कि उनके सेहत और दिमाग पर गहरा असर डालते है। इस तरह बच्चे प्रकृति से दूर जा रहे हैं। इसे में समय से पहले ही आपके बच्चों में कई तरह की बीमारी देखी जा सकती है। ऐसे में आपके चाहिए कि आप आपने बच्चें को प्रकृति के करीब लाए ताकि वह शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहें।

-सुबह-शाम वॉक पर जाए

आपको अपने बच्चों के साथ सुबह और शाम वॉक पर जाना चाहिए। वॉक करने के लिए आपको पार्क में जाना चाहिए यहां पर सड़क के किनारे पेड़ लगे हो। यह सुबह की वॉक के लिए बेहतर होगा क्योकि इनसे हमें स्वच्छ ऑक्सीजन मिलती है और यह प्रकृति के करीब ले जाते है।

-सुकुन मिलने वाली जगहों पर जाए

आपने बच्चों को ऐसी जगह पर लेकर जाएं जहां पर उनहें सुकुन मिलें जैसे कि हरियाली ले भरें खेत आदि। खेतों की हरियाली देखने से आंखों और दिमाग को बहुत सुकुन मिलता है। बच्चों को ऐसे फार्म में ले जाएं जहां पर बच्चों को भी प्रकृति की अहमियत पता चल पाए।

-सूखे पत्तों पर कूदें

बच्चों को खुश करने के लिए आपको चाहिए कि आप भी उनके साथ बच्चें बन कर झड़े हुए पत्तों को इकठा करके उन पर कूदें। बच्चों को इन पत्तों को इस गड्ढा कर के कूदने और आपका ये नया रुप दोनों ही अच्छे लगेगे।

-पिकनिक पर ले जाए

अपने बच्चों को पिकनिक पर लेकर जाएं। वहां पर कोशिश करें कि बच्चें अपने फोन पर विडियोगेम खालना छोड़कर गुल्ली डंडा खेले। यह उनके लिए नई गेम होगी और ऐसा करना से कुछ समय के लिए बच्चें प्रकृति का आनंद भी मान पाएगे।

-रात के समय तारे गिनना

मौसम का बदलाव रात के अंधेरे में भी बदलाव लाता है। गर्मी की रात, सर्दी की रातों से अलग होती हैं। सर्दी की रातों में आसमान साफ नजर आता है। बच्चों को आकाश में रात में आ रहे बदलावों के बारे में बताए और साथ ही रात को छत पर जाकर इसका प्रेक्टिकल भी कर के दिखाएं।

खेल खेलने से बच्चों को होते हैं ये फायदे

अगर आप चाहते है कि आपके बच्चे का विकास स्वस्थ तरीके से हो तो उसके लिए बच्चों के खेल खेलना बहुत ही जरुरी है। अगर आपके बच्चे किसी तरह का खेल नहीं खेलेंगे तो बच्चो के शरीर की विकास अच्छी तरह से नही होगा न ही वह एक्टिव रहेगे। ऐसे में बच्चो को मोटापा भी नही आता। एक पालक होने के नाते आपको यह जानना आवश्यक है कि बच्चों के जीवन में खेल के क्या फायदे हैं। अगर आप बच्चों को उनके बचपन में खेलने से रोक रहे हैं तो वास्तव में आप उनका बचपन उनसे छीन रहे हैं। आजकल देखा गया है कि बहुत से स्कूलों में तो बच्चो के लिए खेलने के मैदान ही नही होते। ऐसे में आपको चाहिए कि अपने बच्चे को स्कूल के बाद खेलने के लिए भेजे। इस तरह से आप अधिक अच्छे पालक बन सकते हैं।

1. सामाजिक कौशल का विकास जब आपका बच्चा खेलों में भाग लेता है तो उनमें सामाजिक कौशल का बहुत अच्छा विकास होता है। खेलों के दौरान आपका बच्चा अन्य बच्चों से मिलता है और उनसे बातचीत करता है। यह उसके समजिक कौशल के विकास में सहायक होता है।

2. टीम वर्क टीम वर्क में आपका बच्चा सीखता है कि किस प्रकार टीम की विजय में योगदान दिया जा सकता है। 3. मस्तिष्क का विकास जब बच्चें किसी भी तरह का कोई खेल खेलते है तो उनके शरीरिक गतिविधि तो होती ही है साथ में उनके सिर के अंदर का जो अंग है उसका विकास होता भी है जो आपके बच्चे को जल्दी सीखने और बढ़ने में सहायक होता है। 4. खेलों से शारीरिक विकास खेल या अन्य शारीरिक गतिविधियों से मांसपेशियों का विकास होता है। स्वस्थ हड्डियों और मांसपेशियों के अच्छे विकास के लिए आपको बच्चे को किसी भी तरह का खेल खालने के लिए उत्साहित करना चाहिए।

5. इम्यूनिटी के लिए स्पोर्ट्स फायदेमंद हैं जब आपका बच्चा खेलों में भाग लेता है तो आपके बच्चे की इम्यूनिटी बढ़ती है। इसके अलावा बच्चे को खुली हवा में छोड़ना अच्छा होता है ताकि उसे अपने आसपास के माहोल का भी पता लगेगा।

6. खिलाड़ी की भावना आपका अपने बच्चो को बताना चाहिए कि जीतना और हारना जीवन का हिस्सा है तथा आपका बच्चा इसे खेल की उन गतिविधियों के माध्यम से सीखता है जिसमें वह हिस्सा लेता है। 7. धैर्य खेल की गतिविधियों से शारीरिक सहनशीलता बढ़ती है, क्योंकि प्रत्येक गेम आख़िरी तक खेला जाता है जिससे आपका बच्चा सीखता है कि अधिक समय तक गर्मी में कैसे रहा जाता है। 8. सहनशीलता खेल खिलाड़ी की सहनशीलता के लिए चुनौती के समान होता है। अगर आपका बच्चा इस प्रकार के खेलों में सहभागी हो ताकि उसकी सहनशीलता बढ़ सके। शारीरिक गतिविधियों में ताकत ही सब कुछ होती है।

बच्चे का वजन कम होने पर खिलाएं उन्हे ये आहार

कई बार पेरेंटस को ये टेंशन रहती है कि उनका वजन सही तरीके से नहीं बढ़ रहा, जबकि साथ वाले बच्चे का वजन सही तरीके से बढ़ रहा होता है ऐसे में आपके मन में कहीं ना कहीं ये सवाल जरूर आता है कि कहीं आपके खान-पान की देखभाल में या परवरिश में कुछ कमीं तो नहीं रह गई?

आजकल बच्चों का खानपान सही न होने की वजह से उनका वजन उम्र के हिसाब से सही नहीं होता है। बच्चों के सही वजन में भोजन सबसे ज?यादा सहायक होता है पर आजकल के बच्चे खाने के मामले में बहुत नखरीले होते है। ऐसे में बच्चों को क्या खिलाया जाएं कि वह स्वस्थ बने रहें और उनका वजन भी संतुलित रहे।

आइए जानें कमजोर शिशुओं व बच्चों को दिया जाने वाला आहार: मलाई सहित दूध

अगर बच्चे का वजन कम है तो उसे मलाई वाला दूध पिलाएं। अगर उसे पीने में अच्छा नहीं लगता है तो शेक बनाकर दें, लेकिन उसके शरीर में मलाई पहुंचनी चाहिए।

घी और मक्खन

बच्चे का वजन बढ़ाना हो, तो घी और मक्खन खिलाना जरूरी होता है। इसे दाल में डालकर दें तो सबसे ज्यादा असर होगा।

सूप, सैंडविच, खीर और हलवा

ये चारों ही चीजें बच्चे के स्वास्थ्य को फायदा करती हैं अगर इन्हे सही मात्रा में दिया जाएं।

आलू और अंडा

अंडा और आलू, दोनों में ताकत होती है। एक में प्रोटीन काफी ज्यादा होता है दूसरे में कार्बोहाईड्रेट। ऐसे में आप बच्चे को ये दोनों ही उबालकर खिला सकती हैं।

स्प्राउट

बच्चे को स्प्राउट खिलाएं, इससे उसका वजन सही होगा। अगर बच?चा बहुत छोटा है तो उसे दाल का पानी पिलाएं। ? व्यवहार और दिनचर्या

बच्चे को स्वस्थ बनाना है तो उसके व्यवहार और दिनचर्या पर ध्यान दें। छोटे बच्चों को इसकी सबसे ज्यादा आवश्यकता होती है। शिशुओं को सही समय पर खुराक दें और उनका ध्यान रखें।

क्रच में बच्चों को मिलता है ऐसा माहौल...

क्रच एक ऐसी जगह है जहां पर बच्चों को घर जैसा प्यार और माहौल मिलता है। क्रच मे छोटे बच्चों की देखभाल की जाती है। आजकल जो माता-पिता दोनों ही काम करते है, ऐसे में समय कम होने की वजह से उनके पास बच्चों की देखभाल करना बहुत ही मुश्किल हो जाता है। ऐसे में वह अपने बच्चों को क्रच में छोड़ जाते है, जहां पर उनकी केयर घर जैसे माहौल में की जाती है। -क्रच आजकल बहुत से ऐसे छोटे स्कूल खोले गए है जहां पर बच्चों को हर तरह की बाते सीखने को मिलती है, जैसे कि वहां पर बच्चों को साफ रखने, गंदे कपड़े बदलने, उनके खान-पीने के साथ खेलने तक का भी ध्यान रखा जाता है। ऐसी जगहों को क्रच कहा जाता है। क्रच में बहुत से हमउम्र बच्चे रहते हैं जिनके साथ आपके बच्चे छोटी-छोटी चीजों को भी सीखते हैं। -सेफ जगह बच्चो के लिए क्रच सेफ जगह है। यहां पर बच्चों के सोने की जगह, खेलने के लिए खिलोने और घर जैसा माहौल होता है।

-खिलोनें

क्रच में बच्चों के खेलने का सामान बच्चों की उम्र के हिसाब से रखा होता है जैसे कि रंगबिरंगे खिलौने, मोटरगाड़ियां, वीडियो गेम्स, कार्टून देखने के लिए टीवी, उन के सोने के लिए बैड, पढ़ने-लिखने के लिए बच्चों की कुछ किताबें।

-मेड

क्रच में बच्चों को संभालने के लिए 2-3 मेड भी रखी होती है जो कि सुबह से लेकर शाम तक बच्चों की अच्छे से केयर करता है। -समय और फीस

क्रच में बच्चों की उम्र के हिसाब से उनका समय और फीस रखी जाती है। अगर बच्चा 5-6 महीने का है तो उसे वह सुबह के 7 बजे से शाम के 7 बजे तक क्रच में रहता है तो ऐसे में उसकी फीस भी इसी हिसाब से रखी जाती है। जिन क्रच में बच्चों को खाना भी दिया जाता है वहां की फीस भी ज्यादा होती है।

-सूचित करना

अगर क्रच में कोई बच्चा रो रहा होता है तो उसे चुप करवाते हैं। अगर बच्चा बीमार तो क्रच वाले उसकी जानकारी उनके माता-पिता को देते हैं। वह खुद से कोई भी दवा नही देते बल्कि माता-पिता को फोन पर बता देते हैं। बताने के बाद अगर बच्चे के माता-पिता दवा देने के लिए बोले तो ही वह बच्चें को दवा देते हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

एमवीडी ने पुल डोडा में ड्राइवरों के लिए चिकित्सा, नेत्र जांच शिविर का किया आयोजन

डोडा, 1 जनवरी (हि.स.)। मोटर वाहन विभाग डोडा ने स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से बुधवार को पुल डोडा में ड्राइवरों के लिए चिकित्सा एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया। परिवहन आयुक्त विशेष पॉल महाजन और उपायुक्त हरविंदर सिंह के निर्देशन में और सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी राजेश गुप्ता की देखरेख में शिविर का आयोजन किया गया।

अतिरिक्त उपायुक्त सुदर्शन कुमार ने एआरटीओ, चिकित्सा और आयुष विभागों के डॉक्टरों और मोटर वाहन और स्वास्थ्य विभागों के अधिकारियों की मौजूदगी में शिविर का उद्घाटन किया। बड़ी संख्या में ड्राइवरों ने मुफ्त चिकित्सा और नेत्र जांच के साथ-साथ आवश्यक स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाया। इस पहल ने ड्राइवरों के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व पर जोर दिया जिसमें इस बात पर प्रकाश डाला गया कि अच्छी दृष्टि और समग्र स्वास्थ्य सड़क सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं।

चिकित्सा पेशेवरों की टीम ने व्यापक नेत्र परीक्षण किए, आवश्यक सुधारात्मक उपायों पर तत्काल प्रतिक्रिया और मार्गदर्शन प्रदान किया। ड्राइवरों को वाहन चलाते समय स्पष्ट दृष्टि बनाए रखने के महत्व के बारे में भी शिक्षित किया गया क्योंकि खराब दृष्टि दुर्घटनाओं का कारण बन सकती है और सार्वजनिक सुरक्षा से समझौता कर सकती है। आंखों की जांच के अलावा प्रतिभागियों को मुफ्त दवाइयाँ और सामान्य स्वास्थ्य और निवारक देखभाल पर बहुमूल्य सुझाव दिए गए। शिविर ने इस संदेश को पुष्ट किया कि स्वास्थ्य जिम्मेदार और सुरक्षित ड्राइविंग प्रथाओं का एक प्रमुख घटक है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का 60वां प्रांत अधिवेशन संपन्न

जम्मू, 1 जनवरी (हि.स.)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) का 60वां प्रांत अधिवेशन 27 से 30 दिसंबर तक महावीर इंटरनेशनल विद्यालय, विजयपुर (सांबा) में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 575 छात्र-छात्राओं के साथ-साथ 25 अध्यापकों ने भाग लिया था। अधिवेशन में जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और अन्य क्षेत्रों के युवा भी शामिल हुए। इससे पहले अधिवेशन का उद्घाटन सी.ई.वी.ए एजुकेशनल ट्रस्ट के चेयरमैन अनिल उपाध्याय और एम.वी. इंटरनेशनल स्कूल के डायरेक्टर गौरव अबरोल ने किया। इस अवसर पर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था जिसमें अभाविप के पूर्व कार्यों को प्रदर्शित किया गया।इस अधिवेशन में सत्र 2024-2025 के लिए डॉ. अजय शर्मा को प्रदेश अध्यक्ष और सनक श्रीवत्स को प्रदेश मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया। चुनाव प्रक्रिया का संचालन डॉ. राकेश द्वारा किया गया। अधिवेशन में विजन 2047 पर चर्चा की गई जिसमें आज़ादी के 100 वर्ष पूरे होने से पहले भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। जम्मू-कश्मीर की वर्तमान शिक्षा व्यवस्था और विकसित जम्मू-कश्मीर, विकसित भारत विषय पर गहन विचार-विमर्श हुआ।

पंच परिवर्तन के महत्व पर चर्चा करते हुए युवाओं को इसे अपनाने और इसके प्रचार-प्रसार के लिए प्रेरित किया गया। युवाओं के विचारों और प्रस्तावों को मंच पर प्रमुखता से शामिल किया गया। अधिवेशन के दौरान अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की 2024-2025 की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की गई। साथ ही, सेरु और नगर खेल कुंभ के पोस्टर लॉन्च किए गए।

भाजपा पहाड़ी जिला ने संगठन पर्व चुनावों के लिए तैयारी बैठक आयोजित की

जम्मू, 1 जनवरी (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर भाजपा के प्रवक्ता और भाजपा पहाड़ी जिला के रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) अभिजीत सिंह जसरोटिया ने पार्टी के चल रहे संगठन पर्व के तहत मंडल-स्तरीय चुनावों की तैयारियों की देखरेख के लिए बसोहली मंडल में एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में मंडल प्रतिनिधियों के लिए चुनाव प्रक्रिया पर विस्तृत चर्चा की गई। विधायक दर्शन ठाकुर, जिला उपाध्यक्ष (एआरओ) सुमेश सपोलिया, जिला महासचिव (एआरओ) सोहन लाल गुप्ता और जिला लोक सचिव राजेश्वर सिंह सहित प्रमुख नेताओं ने अन्य वरिष्ठ भाजपा नेताओं के साथ भाग लिया।

सभा को संबोधित करते हुए अभिजीत सिंह जसरोटिया ने पार्टी के भीतर आंतरिक लोकतंत्र को बढ़ावा देने में संगठन पर्व के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा एकल परिवारों द्वारा संचालित अन्य पार्टियों के विपरीत भाजपा वास्तव में एक लोकतांत्रिक संगठन है जहां कोई भी जमीनी कार्यकर्ता कड़ी मेहनत और समर्पण के माध्यम से शीर्ष नेतृत्व के पदों पर पहुंच सकता है। उन्होंने वरिष्ठ नेताओं से पारदर्शी और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित करने का आग्रह किया और कहा ऐसे उम्मीदवारों का चयन किया जाए जो पार्टी के आधार को मजबूत करने और इसके विजन को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हों।

जसरोटिया ने संगठन पर्व के तहत हाल ही में चलाए गए सदस्यता अभियान की सफलता पर प्रकाश डाला और अगले चरण की रूपरेखा बताई जिसमें नए पदाधिकारियों का चुनाव करना शामिल है। उन्होंने कहा यह प्रक्रिया पार्टी की लोकतांत्रिक भावना को बनाए रखने और सभी स्तरों पर सक्षम नेतृत्व सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है।

महिलाओं के लिए ड्राइविंग क्लासेस का समापन किया

जम्मू, 1 जनवरी (हि.स.)। अपनी सद्भावना पहल के तहत भारतीय सेना ने बुधवार को राजौरी के गलुथी में महिलाओं के लिए ड्राइविंग क्लासेस का समापन किया। समापन समारोह में आठ महिलाओं ने भाग लिया जिसमें समुदाय के नेता और प्रमुख हितधारक शामिल हुए जिन्होंने आत्मनिर्भरता की ओर अपनी यात्रा का जश्न मनाया। एक पेशेवर ड्राइविंग प्रशिक्षक और भारतीय सेना द्वारा आयोजित एक लर्नर वाहन द्वारा संचालित इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को एक महत्वपूर्ण जीवन कौशल सिखाकर उन्हें सशक्त बनाना था। प्रतिभागियों ने ड्राइविंग के माध्यम से स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए अपना उत्साह व्यक्त किया। यह पहल लैंगिक समानता को बढ़ावा देने, आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने और स्थानीय समुदायों, विशेष रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में उत्थान करने की भारतीय सेना की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। प्रतिभागियों ने इस अवसर के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया और ऐसे प्रयासों के परिवर्तनकारी प्रभाव पर जोर दिया। इन ड्राइविंग कक्षाओं का संचालन करके भारतीय सेना सामुदायिक विकास के लिए उत्प्रेरक के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत करती है, स्थानीय आबादी के साथ आपसी विश्वास और सहयोग को बढ़ावा देती है।

स्वच्छता अभियान चलाया

जम्मू, 1 जनवरी (हि.स.)। नागरिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देने के एक सराहनीय प्रयास में भारतीय सेना ने बुधवार को रियासी के बटसियाला जिले में स्वच्छता अभियान चलाया। स्थानीय अधिकारियों और निवासियों के सहयोग से की गई इस पहल का उद्देश्य स्वच्छता और सफाई के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। स्थानीय स्वयंसेवकों के साथ मिलकर सेना के जवानों ने सार्वजनिक क्षेत्रों की सफाई की और कचरा इकट्ठा किया जिससे सामुदायिक भावना का एक प्रेरक उदाहरण स्थापित हुआ। यह अभियान सामुदायिक विकास और राष्ट्रीय गौरव को बढ़ावा देने के लिए भारतीय सेना की व्यापक प्रतिबद्धता का हिस्सा है। इस पहल को स्थानीय समुदाय से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली जिन्होंने सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वच्छता में सुधार के लिए सेना के समर्पण की सराहना की। इस तरह के आयोजनों के माध्यम से भारतीय सेना नागरिकों को अपने पर्यावरण के लिए सक्रिय जिम्मेदारी लेने और राष्ट्र की प्रगति में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करती रहती है।

डोगरा को प्रतिनिधित्व देने की मांग की, राज्य का दर्जा बहाल करने का आग्रह

जम्मू, 1 जनवरी (हि.स.)। मिशन स्टेटहुड जम्मू कश्मीर के अध्यक्ष सुनील डिंपल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्य चुनाव आयोग, एलजी प्रशासन और गठबंधन सरकार से राज्यसभा सीट के लिए एक जम्मू डोगरा को नामित करने और नगरोटा और बडगाम निर्वाचन क्षेत्रों के लिए उपचुनाव कराने का आह्वान किया। डिंपल ने खुलासा किया कि जम्मू-कश्मीर की चार राज्यसभा सीटों और उपचुनावों के लिए फरवरी तक अधिसूचना जारी होने और मार्च से पहले चुनाव होने की उम्मीद है। उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र विकास निधि आवंटित करने में देरी की भी आलोचना की जबकि विधायकों को विलासिता की सुविधाएं दी जा रही हैं। भाजपा सरकार पर राज्य का दर्जा देने में देरी करने और दोहरी शक्ति केंद्र बनाने का आरोप लगाते हुए डिंपल ने विशेष दर्जे के साथ डोगरा राज्य को तत्काल बहाल करने की मांग की। उन्होंने डॉ. फारूक अब्दुल्ला सहित गठबंधन के नेताओं से राज्यसभा में जम्मू का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने और महिलाओं, कश्मीरी पंडितों और एक पश्चिमी पाकिस्तान शरणार्थी सहित पांच विधायकों को नामित करने का आग्रह किया।

डी.सी.ओ. ने गूल में मेडिकल स्टोर का किया निरीक्षण

रामबन, 1 जनवरी (हि.स.)। ड्रग कंट्रोल ऑफिसर रामबन इम्तियाज अहमद ने सीसीटीवी कैमरे लगाने और कम्प्यूटरीकृत बिलिंग सिस्टम के कार्यान्वयन के संबंध में निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने तथा साइकोट्रोपिक दवाओं के बिक्री रिकॉर्ड को बनाए रखने के संबंध में विनियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बुधवार को मेन बाजार गूल में मेडिकल दुकानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि केमिस्टों ने निर्देशों का अनुपालन किया है तथा सीसीटीवी लगाए हैं और कम्प्यूटरीकृत बिलिंग शुरू कर दी है। निरीक्षण मुख्य रूप से सीसीटीवी कैमरे और कम्प्यूटरीकृत बिलिंग सिस्टम की स्थापना की पुष्टि करने पर केंद्रित था और यह पाया गया कि सभी निरीक्षण की गई फर्मों ने सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं और कम्प्यूटरीकृत बिलिंग सिस्टम को अपनाया है।

भाजपा ने एनसी सरकार को दृष्टिहीन और दिशाहीन बताया

जम्मू, 1 जनवरी (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के नेतृत्व वाली सरकार की तीखी आलोचना करते हुए जम्मू-कश्मीर भाजपा के मुख्य प्रवक्ता सुनील सेठी ने सत्तारूढ़ पार्टी पर दृष्टिहीन और दिशाहीन होने का आरोप लगाया। भाजपा मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सेठी ने पार्टी प्रवक्ता डॉ. ताहिर चौधरी, बलबीर राम रतन और मीडिया प्रभारी डॉ. प्रदीप महोत्रा के साथ विपक्ष में होने के बावजूद अपने चुनावी वादों को पूरा करने की भाजपा की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। सेठी ने जोर देकर कहा कि भाजपा ने हाल के विधानसभा चुनावों के दौरान जम्मू और कश्मीर दोनों में महत्वपूर्ण समर्थन हासिल किया और अपने घोषणापत्र के प्रति समर्पित है। उन्होंने कहा हमारे वादे पूरी तरह से वित्तीय विचार के साथ किए गए प्रतिबद्धताएं हैं। एनसी के विपरीत जो अपने चुनावी वादों को पूरा करने में बुरी तरह विफल रही है भाजपा लोगों के साथ दृढ़ता से खड़ी है। सेठी ने एनसी सरकार पर पानी, बिजली, नौकरी और पर्यटन सहित प्रमुख सार्वजनिक मुद्दों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन अकुशलता से भरा हुआ है और इसमें प्रतिबद्धता और विकास के लिए रोडमैप दोनों का अभाव है। सेठी ने कहा दो महीनों में एनसी ने जन कल्याण पर कोई महत्वपूर्ण प्रगति नहीं की है। इसके बजाय यह क्षेत्र में सुरक्षा और विकास को खतरे में डालते हुए बहाने बनाता है।

रामनाथ मन्हास को उनकी पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई

जम्मू, 1 जनवरी (हि.स.)। प्रजा परिषद, जनसंघ और भाजपा के पूज्य नेता रामनाथ मन्हास की पुण्यतिथि पर अखनूर विधानसभा क्षेत्र के जौरियां तहसील के गांव इंद्री (सुजवाल) में भावभीनी श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। दिवंगत नेता के पोते सरपंच भूपिंदर सिंह द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में प्रमुख गणमान्य लोगों की उपस्थिति और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ देखी गई। सत शर्मा, जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष, डॉ. निर्मल सिंह, पूर्व उपमुख्यमंत्री और महंत रामेश्वर दास ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्य सचिव ने 1.37 लाख उद्यमियों की पहचान के लिए युवा सर्वेक्षण शुरू किया

जम्मू 01 जनवरी। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने मिशन युवा यानी युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत बहुप्रतीक्षित यूटी-वाइड बेसलाइन सर्वेक्षण शुरू किया, जिसे श्रम एवं रोजगार और योजना विभागों द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा, ताकि मौजूदा उद्यमों से फीडबैक लेने के अलावा लगभग 1.37 लाख संभावित उद्यमियों की पहचान की जा सके।

सचिव एलएंडई विभाग और डीजी ईएंडएस के अलावा समारोह में यूटी विश्वविद्यालयों के उपकुलपति, आईआईएम जम्मू के निदेशक, जेके बैंक के एमडी, जेकेआरएलएम के एमडी और आईआईटी जम्मू, नाबार्ड, बीआईएसएजी-एन के प्रतिनिधियों के अलावा अन्य संबंधित अधिकारी शामिल हुए। उपायुक्त अपने-अपने कार्यालयों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए लॉन्च समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्य सचिव ने इस सर्वेक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला, साथ ही युवाओं को उद्यमिता और स्वरोजगार को रोजगार के अवसर के रूप में अपनाने के लिए तैयार करने के मूल उद्देश्य पर भी बात की। उन्होंने संबंधित विभागों से दैनिक आधार पर इस सर्वेक्षण की निगरानी करके इसकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने यहां विभिन्न विश्वविद्यालयों के उपकुलपतियों को सुझाव दिया कि वे इस सर्वेक्षण के निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए विभिन्न शोध पत्रों को पूरा करने में इस डेटा का उपयोग करें। अटल डुल्लू ने श्रम एवं रोजगार विभाग को विभिन्न विश्वविद्यालयों और राष्ट्रीय संस्थानों के संकाय सदस्यों के साथ संबंधित विभागों के विशेषज्ञों की एक टीम गठित करने पर भी काम करने का निर्देश दिया, ताकि इस सर्वेक्षण के अंत में इन विश्लेषणों से एक अच्छी तरह से सार्थक दस्तावेज विकसित करने के लिए एक विश्लेषणात्मक ढांचा तैयार किया जा सके।

पंचायत मतदाता सूची संशोधन- किश्तवाड़ में दावों, आपत्तियों का निपटारा शुरू

किश्तवाड़, 1 जनवरी (हि.स.)। पंचायत मतदाता सूची 2025 की तैयारी में पारदर्शिता और सटीकता सुनिश्चित करने के लिए निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी इदरीस लोन ने बुधवार को यहां एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई। बैठक में किश्तवाड़, पालमार और त्रिगाम ब्लॉकों के लिए मसौदा पंचायत मतदाता सूची 2025 के संबंध में दावों और आपत्तियों की समीक्षा और समाधान पर ध्यान केंद्रित किया गया। ईआरओ ने मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया में समावेशिता और सटीकता बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से भारत के चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करने और सभी दावों और आपत्तियों का समय पर समाधान सुनिश्चित करने का आग्रह किया। पंचायत निर्वाचन बूथ अधिकारियों (पीईबीओ) को पूरी तरह से सत्यापन करने, पंचायतों में जनता/मतदाताओं द्वारा उजागर की गई किसी भी विसंगति को तुरंत दूर करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए सहयोगात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता पर भी जोर दिया कि कोई भी पात्र मतदाता छूट न जाए। इदरीस लोन ने मतदाता जागरूकता पहल के महत्व को रेखांकित किया, पात्र नागरिकों को चुनावी प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया और यह सुनिश्चित किया कि उन्हें दावों और आपत्तियों के तंत्र के बारे में अच्छी जानकारी हो। बैठक में किश्तवाड़, पालमार और त्रिगाम ब्लॉक के एईआरओ/बीडीओ और पीईबीओ के साथ-साथ चुनाव अधिकारियों और अन्य संबंधित कर्मचारियों ने भाग लिया

जेकेएनसी ने पंचायत और शहरी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए कमर कसी

जम्मू, 1 जनवरी (हि.स.)। जम्मू और कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (जेकेएनसी) के अतिरिक्त महासचिव और पूर्व मंत्री अजय सधोत्रा ??ने बुधवार को पार्टी कार्यकर्ताओं से आगामी पंचायत और शहरी स्थानीय निकाय (यूएलबी) चुनावों की तैयारियों को तेज करने का आग्रह किया। जम्मू के शेर-ए-कश्मीर भवन में एक सभा को संबोधित करते हुए सधोत्रा ??ने जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत करने और जेकेएनसी उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने पिछली भाजपा नीत सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि वह ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाएं देने में विफल रही है। उन्होंने बेहतर बुनियादी ढांचे, स्वच्छ पेयजल, बिजली और सड़क संपर्क के अधूरे वादों को उजागर किया जिसके बारे में उन्होंने दावा किया कि इससे गांवों और दूरदराज के क्षेत्रों में स्थिति और खराब हो गई है। उन्होंने कहा ग्रामीण क्षेत्रों की भाजपा सरकार की उपेक्षा ने उसकी शासन विफलताओं को उजागर कर दिया है। सार्थक विकास की कमी ने ग्रामीण आबादी को निराश कर दिया है। इसी बीच जम्मू शहरी जेकेएनसी के जिला अध्यक्ष चंद्र मोहन शर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक में नववर्ष 2025 के अवसर पर केक काटकर जश्न मनाया गया। इस कार्यक्रम में जेकेएनसी के प्रांतीय अध्यक्ष रतन लाल गुप्ता, गुलाबगढ़ विधायक खुर्शीद, बाबू रामपॉल और अब्दुल गनी मलिक समेत वरिष्ठ नेता शामिल हुए। रतन लाल गुप्ता ने जमीनी स्तर पर लोकतंत्र और समावेशी शासन के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा डॉ. फारूक अब्दुल्ला के नेतृत्व में जेकेएनसी समाज के हर वर्ग को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने भाजपा के गांव की ओर लौटो कार्यक्रम की आलोचना करते हुए कहा कि यह एक सतही पहल है जो ठोस परिणाम देने में विफल रही है। गुप्ता ने पार्टी कार्यकर्ताओं से मतदाताओं से जुड़ने और खराब सड़क संपर्क, अविश्वसनीय बिजली और अपर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाओं जैसे मुद्दों को संबोधित करते हुए जन कल्याण पर जेकेएनसी के फोकस को उजागर करने का आह्वान किया।

साहिब बंदगी ने किया सत्संग का आयोजन

जम्मू, 1 जनवरी (हि.स.)। साहिब बंदगी के सद्गुरु मधुपरमहंस जी महाराज ने नव वर्ष 2025 की सभी देशवासियों को शुभकामनाएँ दी। इस अवसर पर राँजड़ी में एक विशाल सत्संग का आयोजन किया गया। देश भर से कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन भी किया। साहिब जी ने इस विशेष अवसर पर सत्संग की अमृत वर्षा से संगत को मंत्रमुग्ध करते हुए कहा कि करोड़ों तीर्थ इंसान कर ले, वो फल सद्गुरु के दर्शन से एक पल में मिल जाता है। साहिब कह रहे हैं कि तीर्थ जाने से एक फल की प्राप्ति होती है। संत मिलें तो 4 फल मिल जाते हैं। और सद्गुरु मिलें तो अनन्त फलों की प्राप्ति एक पल में हो जाती है। ऐसा क्यों कह रहे हैं। किसी गंदी चीज को देखते हैं तो उसका असर आप पर उसी समय हो जाता है। किसी मोहक दृश्य को देखते हैं, उसी समय गुलजार हो जाते हैं। क्या उसमें समय लगता है। नहीं। उसी समय आपके दिल और दिमाग पर असर पड़ता है। साँप को देखते हैं तो उसका असर फौरन आप पर पड़ता है। आप भयभीत हो जाते हैं उसी समय। इसी तरह सच्चे सद्गुरु के मिलने से वो शक्ति उसी समय मिल जाती है। समय नहीं लगता है। अगर आपके कर्म में सूली चढ़ने की सजा है तो काँटा चुभ जायेगा। सूली की सजा खत्म हो जायेगी। नाम पाने के बाद आपका अंत:करण शुद्ध होता जायेगा। इसलिए साहिब की वाणी कह रही है कि अगर संभव हो तो गुरु का दर्शन दिन में कई कई बार करो।

DIRECTORATE OF HORTICULTURE

Office of the Horticulture Information and Publicity Officer Jammu
GolePulliTalab-Tillo Jammu
(E-mail Id:- hipojam@gmail.com, Fax No. 2501219)

Important Message for Fruit Growers of Jammu Division.

The fruit growers of Jammu Division are hereby advised to adopt the following cultural and protective measures during the month of January 2025 for better management of their Orchards:-

1. Dig / refill the pits (1 m x1 mx1 m) in the laid out areas for Spring plantation after mixing FYM @ 1 cft per pit and Chlorpyriphos for Termite control.
2. Prepare tree basins and apply full dose of FYM and DAP in the Orchards.
3. Use Bio-control agents such as Trichoderma to control soil borne diseases.
4. Use Bio-fertilizers like Azotobactor, Azosphyrillum, Phosphobacteria, VAM etc. to enhance soil fertility.
5. Vermicompost should be added in the soil to enrich soil with macro and micro nutrients thereby strengthening and increasing water holding capacity of soil.
6. Due to scarcity and limited sources of water, micro-irrigation system like Drip and sprinkler system should be installed in the orchards.
7. Heading back of unwanted limbs of old mango trees for Rejuvenation and then apply Bordeaux paste on the cut surfaces.
8. Thinning of over crowded and over lapping branches may be continued and spray Dinocap @ 0.5 ml per litre of water against Powdery Mildew in Mango.
9. To prevent the infestation of Mealy Bug, apply 1.5 per cent chlorpyriphos dust @ 250 g/ tree around tree trunk and spray carbosulfan (0.05%, 25 EC, @ 2 ml/liter of water) or dimethoate (0.06%, 30 EC @ 2 ml/liter of water). Verticillium lecanii and Beauveria bassiana are effective in managing the Mealybug infestation. Also spray Neem oil 1500 ppm @5-7 ml/lt water and use alkathene or sticky grease bands 15-20 cm wide by tying around trunks 0.5 m above the ground level.
10. For the control of Mango Malformation, spray Carbendazim @ 2gm/lt. of water (one spray) and Potassium Metabisulphite @ 6gm/10 lt. of water at an interval of 10 to 15 days.
11. Prune and burn diseased, dead and ground touching branches after harvesting of citrus fruit and spray Copper Oxychloride @ 3gms per litre of water or Bordeaux mixture1:1:100(Copper sulphate : Lime:Water) against die back , gummosis and citrus canker.
12. Complete the pruning of Grape plants followed by spraying of Copper Oxychloride @ 3gms per litre of water or Bordeaux mixture 1:1:100(Copper sulphate:Lime:Water) and apply half dose of Urea and MOP.
13. Head back desi /inferior Ber plants for top working and apply Copper oxychloride paste to the cut surface to protect against fungal attack.
14. In PEACH, complete the pruning operation during this month followed by spraying the plants with Copper Oxychloridce @ 3gm / litre after pruning against fungal attack.
15. In APPLE / PEAR / PLUM & APRICOT, start Pruning of fruit trees, if not done earlier followed by application of Copper oxychloride pasteto all pruned cuts during first fortnight of January.
16. Application of full dose of Phosphorous and Potash, if not applied during December month as per the age of the tree during 1st week of January.
17. Under heavy snow fall, remove snow from tree canopy to avoid splitting of branches, If required.

FRUIT PLANT NURSERIES

1. Stratification of Walnut seeds for sowing purpose be got completed, if seeds are not sown in the month of December and sowing of Pecan nut seed in well prepared seed beds be completed.
2. Prepare the grape cuttings and dump them in trench for callusing.
3. Heading back of mother plants of Mango and Litchi to encourage bud wood availability.

All the orchardists are requested to contact their Horticulture office or feel free to dial 9149665493 for any Biotic or Abiotic disorder / disease in their orchard.

Sd/-
Horticulture Information & Publication Officer, Jammu

DIP/J-8823/24
Dtd:1-1-2025

संपादकीय

आसमान छूते किराए के कारण जम्मू-कश्मीर में हवाई यात्रा हुई असंभव

आसमान छूते किराए के कारण जम्मू-कश्मीर में हवाई यात्रा असंभव हो गई है। दुर्भाग्य से देश के एयरलाइन क्षेत्र के विनियमन के बाद हवाई किराए बाजार द्वारा संचालित हो गए हैं और सरकार द्वारा न तो इन्हें स्थापित किया जाता है और न ही विनियमित किया जाता है, जिससे एयरलाइन कंपनियों को मनमाने ढंग से किराया बढ़ाने का वीटो पावर मिल जाता है। कथित तौर पर, सरकार की इस शक्तिहीनता के कारण, दिल्ली से दुबई की यात्रा राष्ट्रीय राजधानी से श्रीनगर की यात्रा की तुलना में बहुत सस्ती हो गई है, क्योंकि कश्मीर के लिए हवाई किराए में भारी वृद्धि हुई है। अखबारों की रिपोर्ट पर विश्वास करें तो 31 दिसंबर को दिल्ली से दुबई के लिए हवाई किराया प्रति यात्री 10,000 से 13,000 रुपये के बीच था, जबकि उसी तारीख को दिल्ली और श्रीनगर के बीच यह 21,000 रुपये से अधिक था। इसी तरह, मुंबई से श्रीनगर के लिए हवाई किराया 21,843 रुपये और बेंगलुरु से 20,000 रुपये से अधिक था। यह तो तय है कि एयरलाइन कंपनियां लोगों की कमज़ोरी का नाजायज़ फ़ायदा उठा रही हैं, क्योंकि जम्मू और श्रीनगर के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग बंद कर दिया गया है, साथ ही त्योहारों के कारण पर्यटकों की आमद भी बढ़ गई है। एयरलाइनों की अनियंत्रित किराया नीति की वजह से लोगों पर कई तरह से असर पड़ रहा है, खास तौर पर छात्रों, बीमार लोगों और पर्यटकों पर। स्थिति बहुत गंभीर है, क्योंकि सरकार के हवाई किराए पर नियंत्रण खोने के विचित्र फ़ैसले के कारण लोगों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि निजी संस्था होने के कारण एयरलाइनें इन दिनों को हवाई किराए में अनुचित वृद्धि के ज़रिए असहाय हवाई यात्रियों को लूटकर अधिकतम मुनाफ़ा कमाने के अपने सुनहरे दिनों में बदल रही हैं। सरकार इस मामले में मूकदर्शक बनकर नहीं रह सकती, हालांकि वह एयरलाइनों को टिकट की कीमतों में कटौती करने का निर्देश देने की स्थिति में नहीं है, लेकिन वह एयरलाइनों को सलाह दे सकती है या कम से कम उनसे इस बारे में विचार करने का अनुरोध कर सकती है, क्योंकि वह हवाई यात्रा को महंगा नहीं होने दे सकती, क्योंकि कश्मीर में पर्यटन को बचाना घाटी की वर्तमान गंभीर स्थिति को देखते हुए सबसे महत्वपूर्ण है, जहां केंद्र सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए सभी कदम उठा रहा है और अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार होने के नाते पर्यटन को भगवान की दया पर नहीं छोड़ा जा सकता। यह दुखद है कि इस तथ्य के बावजूद कि पर्यटक कश्मीर आना चाहते थे और इसकी प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेना चाहते थे, हवाई टिकटों की कीमत उन्हें अन्य विकल्पों की तलाश करने पर मजबूर कर रही है। अब गेंद सरकार के पाले में है, क्योंकि घाटी के हितधारक इस संबंध में कुछ नहीं कर सकते हैं और यदि स्थिति बनी रहती है, तो बहुप्रतीक्षित सर्दियों के मौसम और आने वाले वसंत में सबसे अप्रत्याशित विफलता देखने को मिल सकती है, जिससे घाटी में निराशा की स्थिति पैदा हो सकती है।

राजस्थान में कई जिलों की समाप्ति के निर्णय का होगा दूरगामी लाभ

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

हमारे सामने पुराने उदाहरण है जब राजसमंद, प्रतापमढ़, दौसा जिले बनाए गए और करौली व प्रतापगढ़ जिले का गठन किया गया। अब सबके सामने है कि इन जिलों को सही मायने में जिलों का आकार लेने में कितना समय लगा। आज भी कई स्थानों पर फिजिबल नहीं होने के कारण जिला सहकारी बैंक नहीं खुल पाएं है तो कई अन्य सरकारी दफ्तर शुरू नहीं हो पाये हैं।

दरअसल जन हितकारी सरकार की पहचान लोकहित में दूरगामी परिणामों को देखते हुए निर्णय लेना होता है। लोकतंत्र में बहुत से निर्णय राजनीतिक प्रतिबद्धता के कारण न चाहते हुए भी लेने होते हैं तो कई बार ऐसा भी लगता है कि ऐन केन प्रकारेण सत्ता में बने रहने के लिए इस तरह के निर्णय ले लिए जाते हैं।

राजनीतिक लाभ-हानि से जुड़े निर्णयों को बदलना किसी भी लोकतांत्रिक सरकार के लिए जोखिम से कम नहीं होता। इस तरह के निर्णय में सरकारों को काफी संकोच करना पड़ता है क्योंकि किसी भी निर्णय को बदलते समय राजनीतिक गुणा-भाग देखा जाता है। यही कारण है कि कई निर्णय ऐसे होते हैं जिनके लाख चाहने और प्रशासनिक दृष्टि से सही नहीं होने पर भी सरकारें ढोए जाती हैं। इस मायने में राजस्थान की सरकार की सराहना करनी पड़ेगी कि राजनीतिक दृष्टि से निर्णय लेना मुश्किल व जोखिम भरा होने के बावजूद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पूर्व सरकार के समय के जिले बनाने के निर्णय का परीक्षण कर 9 जिले और 3 संभाग समाप्त करने का निर्णय लेने में हिचकिचाहट नहीं दिखाई। अब प्रदेश में 41 जिले और 7 संभाग रह गए हैं। दूदू, केकड़ी, शाहपुरा, नीम का थाना, अनूपगढ़, गंगापुरसिटी, जयपुर ग्रामीण, जोधपुर ग्रामीण और सांचौर जिला और बांसवाड़ा, सीकर और पाली संभाग को समाप्त करने का निर्णय ले लिया।

निश्चित रूप से शुरुआत में इसका विरोध होगा, राजनीति से जुड़े लोगों द्वारा हवा दी जाएगी पर जब कोई दूरगामी जनहित का निर्णय लिया जाता है तो देर-सबेर जनता उसे स्वीकार भी कर लेती है। राज्य सरकार द्वारा यही निर्णय नई सरकार बनते ही लिया जाता तो उसके मायने कुछ अलग होते और उस पर राजनीतिक द्वेष का ठप्पा लगता वह अलग। आज भले विपक्ष द्वारा इस निर्णय पर प्रश्न उठाये जा रहे हों पर सही मायने में देखा जाए तो यह पूरी तरह से प्रशासनिक निर्णय है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पूर्व सरकार के नए जिले बनाने के निर्णय का परीक्षण करने के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व वरिष्ठ प्रषासनिक अधिकारी डॉ. ललित पंवार की अध्यक्षता में समिति गठित कर परीक्षण करवाया और फिर राजनीतिक स्तर पर मंत्रिमण्डलीय समिति बनाकर सभी पक्षों का अध्ययन कर रिपोर्ट आने पर मंत्रिमण्डल की बैठक में मोहर लगाई गई।

इसी वजह से एक बात साफ हो जानी चाहिए कि यह निर्णय किसी भी मायने में जल्दबाजी या राजनीतिक लाभ के लिए ना होकर पूरी तरह से प्रशासनिक दक्षता के लिए लिया गया है। हालांकि पूर्व सरकार ने नए जिले बनाने के लिए भले प्रशासनिक कमेटी बनाकर रिपोर्ट प्राप्त कर नए जिले बनाने का निर्णय किया पर यह साफ हो जाना चाहिए कि चुनाव नजदीक होने के कारण पूर्व सरकार द्वारा नए जिले बनाने के निर्णय को आमलोगों ने पूरी तरह से राजनीतिक निर्णय के रुप में ही देखा गया।

भजनलाल शर्मा ने पूर्व सरकार द्वारा गठित नए जिलों के गठन का प्रशासनिक दृष्टि से परीक्षण करवाया। इसमें दो राय नहीं कि शुरुआत में इन जिलों और संभागों को समाप्त करने के निर्णय का विरोध हो रहा है पर यह इसलिए अधिक असर नहीं दिखा पाएगा कि आम नागरिक अच्छी तरह से समझता है कि अधिक और छोटे जिले बनने से सरकारी खर्चे बढ़ने के अलावा खास प्राप्त होने वाला नहीं है। नए जिलों के लिए शुरुआती दौर में ही एक जिले के लिए कम से कम एक हजार करोड़ की व्यवस्था करनी होगी। जिला कलक्टर और जिला पुलिस एसपी के दफ्तर तो तत्काल शुरू करने के साथ ही अन्य विभागों के भी दफ्तर जिला स्तर पर खोलने से ही वास्तविक लाभ प्राप्त हो सकता है। अब इसे यों देखा जाए कि इस सबके लिए कितना बड़ा प्रशासनिक अमला तैयार करना होगा, कितनी अधिक आधारभूत सुविधाएं विकसित करनी होगी। सरकारी ऑफिस, सरकारी बंगले और ना जाने कितने ही कार्यों के लिए स्थान और आधारभूत संरचना विकसित करने के साथ ही अधिकारियों-कर्मचारियों की नियुक्ति करनी होगी। इसके साथ ही अन्य सुविधाएं और अन्य सेवाएं अलग होगी।

हमारे सामने पुराने उदाहरण है जब राजसमंद, प्रतापमढ़, दौसा जिले बनाए गए और करौली व प्रतापगढ़ जिले का गठन किया गया। अब सबके सामने है कि इन जिलों को सही मायने में जिलों का आकार लेने में कितना समय लगा। आज भी कई स्थानों पर फिजिबल नहीं होने के कारण जिला सहकारी बैंक नहीं खुल पाएं है तो कई अन्य सरकारी दफ्तर शुरू नहीं हो पाये हैं।

दरअसल जन हितकारी सरकार की पहचान लोकहित में दूरगामी परिणामों को देखते हुए निर्णय लेना होता है। लोकतंत्र में बहुत से निर्णय राजनीतिक प्रतिबद्धता के कारण न चाहते हुए भी लेने होते हैं तो कई बार ऐसा भी लगता है कि ऐन केन प्रकारेण सत्ता में बने रहने के लिए इस तरह के निर्णय ले लिए जाते हैं।

प्रशासनिक दक्षता और लोकहितकारी सरकार की पहचान जनहित में कड़वे निर्णय लेने में भी संकोच नहीं करना होता है। सरकार की संवेदनशीलता और प्रशासनिक दक्षता का भी इसी से पता चलता है। खासतौर से राजनीतिक लाभ-हानि से लिए गए निर्णय से अधिक भला नहीं हो पाता है। सरकार की प्रशासनिक और लोकहितकारी होने का इसी से पता चलता है कि वह जनहित में जोखिम भरे निर्णय लेने में भी संकोच ना करें।

लोकतंत्र में जनता और जनता का हित बड़ी बात होनी चाहिए क्योंकि सरकार द्वारा निर्णयों का असर दूर तक जाता है। कड़वे निर्णय यदि लोकहित में होते हैं तो जनता ऐसे निर्णयों को हाथोंहाथ लेती है। इसलिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सरकार बनने के पहले साल में ही बड़े निर्णय कर सबको चौंका दिया। राजनीतिक लाभ-हानि से परे हटकर मुख्यमंत्री ने 9 जिले और 3 संभाग समाप्त करने का निर्णय व्यापक जनहित में ही देखा जाना चाहिए।

आर्थिक विश्लेषकों का मानना है कि सरकार को अपने प्रशासनिक खर्चों को एक सीमा तक रखना चाहिए। सबकुछ जानते हुए भी होता इसके विपरीत ही है। सरकार राजस्व का अधिकांश खर्चा अपने प्रशासनिक दायित्वों, वेतन-सुविधाओं में ही खर्च कर देती है। वहीं, नए जिले और संभाग बनने से प्रशासनिक खर्च बढ़ना स्वाभाविक है। दूसरी बात यह है कि नए जिले या संभाग बनाने के स्थान पर सरकारों को प्रशासनिक सेवाओं में सुधार और डिलीवरी सिस्टम को मजबूत बनाने पर जोर देना चाहिए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजनीतिक जोखिम लेते हुए प्रशासनिक दृष्टि से सराहनीय निर्णय किया है। इससे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उनकी सरकार ने प्रशासनिक दृष्टि से परिपक्वता का परिचय दिया है। हो सकता है कि निर्णय को लेकर विरोध देखने को मिले पर विरोध के खिलाफ भी सरकार को सख्ती दिखानी होगी इससे आमजन में सरकार और सरकार द्वारा लिए जाने वाले निर्णयों को सराहा ही जाएगा। सरकारों को राजनीतिक लाभ-हानि के साथ व्यापक जनहित को भी ध्यान देना चाहिए और निर्णय लेने में किसी तरह का संकोच नहीं करना चाहिये। आज लोग निर्णय लेने वाली सरकार को पसंद करते हैं न कि निर्णयों को टालने वाली सरकार को। इस मायने से भजनलाल शर्मा के एक साल के कार्यकाल का भी मूल्यांकन किया जाना चाहिए क्योंकि यह सरकार निर्णयों की सरकार बन गई है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

मोदी युग- मानसिक स्वास्थ्य का क्रांतिकाल

शिवेश प्रताप

3 दिसंबर 2024 को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने मानसिक स्वास्थ्य के लिए मोदी सरकार के महत्वपूर्ण प्रयासों के बारे में राज्यसभा में एक प्रश्न के उत्तर में बताया। एक ऐसा विषय जिसने मोदी सरकार के इस उत्कृष्ट प्रयास के बारे में बहुत जरूरी चर्चा को जन्म दिया है। मोदी युग ने मानसिक स्वास्थ्य के प्रति भारत के दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण मोड़ को चिह्नित किया, जिसमें मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों को संबोधित करने और मानसिक स्वास्थ्य देखभाल को मुख्यधारा की स्वास्थ्य देखभाल नीतियों में एकीकृत करने पर अधिक ध्यान दिया गया। मोदी सरकार से पहले, भारत में मानसिक स्वास्थ्य को काफी हद तक नजरअंदाज किया गया और मानसिक बीमारियों को लेकर लोगों में शर्म और भ्रान्ति थी। नरेन्द्र मोदी के शासन में मानसिक स्वास्थ्य को महत्वपूर्ण मुद्दे के रूप में मान्यता देने की दिशा में बदलाव हुआ।

भारत में मानसिक स्वास्थ्य गलत समझा जाने वाला विषय बना हुआ था। लगभग 14न्न भारतीयों को सक्रिय मानसिक स्वास्थ्य हस्तक्षेप की आवश्यकता होने के बावजूद, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण (2015-16) में पाया गया कि मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं वाले लगभग 80न्न लोग सामाजिक कलंक, जागरूकता की कमी या देखभाल तक सीमित पहुँच के कारण मदद नहीं लेते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य का मतलब सिर्फ मानसिक बीमारी का न होना नहीं है; इसमें भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक कल्याण शामिल है, जो व्यक्ति के सोचने, महसूस करने और व्यवहार करने के तरीके को प्रभावित करता है। एक स्वस्थ दिमाग उत्पादक जीवन, सामंजस्यपूर्ण समाज और संपन्न अर्थव्यवस्था का आधार है। भारत जैसे देश के लिए जो 2047 तक विकसित राष्ट्र का दर्जा हासिल करने की आकांक्षा रखता है, मानसिक स्वास्थ्य को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। मानसिक स्वास्थ्य को राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचे में एकीकृत करना अनिवार्य है।

भारत एक गंभीर मानसिक स्वास्थ्य संकट का सामना कर रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (ड्ढ।ह्न) के अनुसार, भारत की लगभग 7.5न्न आबादी मानसिक विकारों से पीड़ित है। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण (2015-16) से पता चला है कि लगभग 15न्न भारतीय वयस्कों को सक्रिय मानसिक स्वास्थ्य हस्तक्षेप की आवश्यकता है, मानसिक स्वास्थ्य ख़राब है और इसके लिए पर्याप्त धन नहीं है। चौंकाने वाली बात यह है कि देश में प्रति 100,000 लोगों पर एक से भी कम मनोचिकित्सक हैं, जबकि ड्ढ।ह्न ने प्रति 100,000 पर तीन मनोचिकित्सक होने की सिफारिश की है। भारत में मानसिक विकारों के लिए उपचार का अंतर 70-92न्न के बीच है और मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों के कारण होने वाले आर्थिक नुकसान का अनुमान 2012 और 2030 के बीच 1.03 ट्रिलियन डॉलर है(ड्डश्र्द्वद्यस्र श्चष्ड्डश्रद्धद्बष स्रश्रद्यद्धद्ग)। ऐसे चौंकाने वाले आँकड़े मानसिक स्वास्थ्य को संबोधित करने के लिए मजबूत नीतियों और बुनियादी ढाँचे की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करते हैं।

अमेरिका मानसिक स्वास्थ्य पर सालाना 238 बिलियन डॉलर से ज़्यादा खर्च करता है, जहाँ हर 100,000 लोगों पर लगभग 12 मनोचिकित्सक हैं। इसी तरह, यूरोप में मानसिक स्वास्थ्य प्रणाली अच्छी तरह से विकसित है, जहाँ जर्मनी जैसे देश हर 10,000 लोगों पर 18 से ज्यादा मनोरोग विशेषज्ञ उपलब्ध कराते हैं। इस बीच, चीन में 2013 में अपने पहले मानसिक स्वास्थ्य कानून के बाद से मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ी है।

मानसिक स्वास्थ्य सेवा अधिनियम 2017- एक महत्वपूर्ण मोड़

मोदी के नेतृत्व में सरकार ने मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों को संबोधित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया। मानसिक स्वास्थ्य सेवा अधिनियम, 2017, प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल के दौरान पेश किया गया था, जिसमें केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने इसके निर्माण और परिचय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। यह अधिनियम भारतीय संसद द्वारा पारित किया गया था और मई 2018 में लागू हुआ।

अधिनियम का सबसे सकारात्मक पहलू यह है कि यह मानसिक बीमारी को मानवाधिकार के मुद्दे के रूप में मान्यता देता है, यह सुनिश्चित करता है कि मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति वाले व्यक्तियों के साथ बहिष्कृत जैसा व्यवहार न किया जाए, बल्कि वे कानून के तहत देखभाल, उपचार और सुरक्षा के हकदार हों। अधिनियम में यह अनिवार्य किया गया है कि मानसिक स्वास्थ्य देखभाल सेवाएँ सभी के लिए उपलब्ध होनी चाहिए, चाहे उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति कुछ भी हो, मानसिक स्वास्थ्य को सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में एकीकृत करके और यह सुनिश्चित करके कि सेवाएँ सभी स्तरों पर उपलब्ध हों। यह आत्महत्या के अपराधीकरण पर भी जोर देता है और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति दयालु, पुनर्वास दृष्टिकोण को बढ़ावा देता है।

आयुष्मान भारत के तहत व्यापक मानसिक स्वास्थ्य सेवाएँ

आयुष्मान भारत स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों के माध्यम से व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा के अंतर्गत मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को शामिल करना, जिन्हें अब आयुष्मान आरोग्य मंदिर के रूप में जाना जाता है, एक महत्वपूर्ण कदम है। सरकार ने 1.73 लाख से अधिक उप-स्वास्थ्य केंद्रों (एसएचसी) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) को आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में सफलतापूर्वक अपग्रेड किया है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि मानसिक स्वास्थ्य सेवाएँ जमीनी स्तर पर उपलब्ध हों। ये केंद्र अब मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की एक श्रृंखला प्रदान करते हैं, जिसमें आउटपेशेंट परामर्श, मनो-सामाजिक हस्तक्षेप, मूल्यांकन, परामर्श, निरंतर देखभाल और आवश्यक दवाओं तक पहुँच शामिल है। यह दृष्टिकोण मानसिक बीमारियों का शीघ्र पता लगाना और उनका प्रबंधन सुनिश्चित करता है, जिससे मानसिक स्वास्थ्य सेवा से जुड़े कलंक और बाधाओं को कम किया जा सकता है।

767 जिलों में लागू जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (ष्ठरू॥क्क) ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (ष्ट॥ष्ट) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (क्क॥ष्ट) तक सेवाओं का विस्तार करके भारत के मानसिक स्वास्थ्य ढांचे को काफी मजबूत किया गया है। यह देखभाल का एक मजबूत नेटवर्क प्रदान करता है, जिसमें आउट पेशेंट देखभाल, मनो-सामाजिक परामर्श, आउटरीच कार्यक्रम और एम्बुलेंस सेवाओं जैसी आवश्यक सेवाएँ प्रदान की जाती हैं। यह व्यापक दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि मानसिक स्वास्थ्य हस्तक्षेप वंचित और कमज़ोर आबादी तक पहुँचे, जिससे कल्याण के समग्र मॉडल को बढ़ावा मिले।

10 अक्टूबर, 2022 को लॉन्च किया गया, राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (ह्लरू॥क्क) मानसिक स्वास्थ्य सेवा में एक डिजिटल छलांग का प्रतिनिधित्व करता है। सरकार ने वित्तीय वर्ष 2022-23, 2023-24 और 2024-25 में ह्लरू॥क्क के लिए क्रमशः 120.98 करोड़, 133.73 करोड़ और 90 करोड़ आवंटित किए हैं। देशभर में संचालित एक टोल-फ्री हेल्पलाइन (14416) के साथ, यह कार्यक्रम 20 भाषाओं में 24×7 टेली-परामर्श सेवाएँ प्रदान करता है, जिससे सभी के लिए पहुँच सुनिश्चित होती है। नवंबर 2024 तक, 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 53 टेली-मानस सेल स्थापित किए गए हैं, जो 15.95 लाख से अधिक कॉल संभालते हैं। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 2024 पर लॉन्च किया गया टेली-मानस मोबाइल एप्लिकेशन मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए एक मंच प्रदान करता है, जिसमें स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

तृतीयक देखभाल और मानव संसाधन को मजबूत बनाना

तृतीयक मानसिक स्वास्थ्य सेवा को मजबूत करने के लिए सरकार ने 25 उत्कृष्टता केंद्रों को मंजूरी दी है और 19 सरकारी मेडिकल कॉलेजों में मानसिक स्वास्थ्य विशेषताओं में 47 स्नातकोत्तर (पीजी) विभागों की स्थापना या वृद्धि का समर्थन किया है। प्रशिक्षित पेशेवरों की तीव्र आवश्यकता को पहचानते हुए, इसने एमडी (मनोचिकित्सा) पाठ्यक्रमों में प्रवेश को आसान बनाने के लिए स्नातकोत्तर आवश्यकताओं को संशोधित किया है। ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में अभ्यास करने के लिए मनोचिकित्सकों और विशेषज्ञों के लिए प्रोत्साहन पेश किए हैं और प्रमुख मानसिक स्वास्थ्य संस्थानों में डिजिटल अकादमियों की स्थापना की है। इन अकादमियों ने 2018 से 42,488 से अधिक पेशेवरों को प्रशिक्षित किया है, मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों की कमी को दूर किया है और यह सुनिश्चित किया है कि गुणवत्तापूर्ण देखभाल कम सेवा वाले क्षेत्रों में भी सुलभ हो।

कुशल कार्यबल के लिए मानसिक स्वास्थ्य

ग्लोबल इंश्योरेंस ब्रोकर्स द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है कि 46न्न भारतीय फर्मों का मानना है कि उन्हें अपने कर्मचारियों के लिए बेहतर मानसिक स्वास्थ्य सहायता की आवश्यकता है। यह मान्यता बढ़ते अस्पताल बिलों को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच आई है, जो राजस्व वृद्धि और वेतन वृद्धि से कहीं ज्यादा है, जिससे व्यवसायों के लिए वित्तीय चुनौतियाँ बढ़ गई हैं। आगे के शोध से पता चलता है कि भारत में कार्यस्थल पर तनाव अक्सर लंबे समय तक काम करने, खराब कार्य-जीवन संतुलन और सामाजिक और पेशेवर अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए अत्यधिक आत्म-लगाए गए दबाव से प्रेरित होता है। मोदी सरकार ने मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाली नीतियों के माध्यम से कार्यस्थलों में मानसिक स्वास्थ्य को संबोधित करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उदाहरण के लिए, 2017 का मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम कर्मचारियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य सुरक्षा को अनिवार्य बनाता है, जिससे नियोक्ताओं के लिए मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति वाले व्यक्तियों के साथ भेदभाव करना अवैध हो जाता है। इसके अलावा, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम जैसी पहलों की शुरूआत और सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियों में मानसिक स्वास्थ्य को एकीकृत करना विभिन्न क्षेत्रों में मानसिक स्वास्थ्य सहायता में सुधार के लिए व्यापक प्रतिबद्धता का संकेत देता है। मानसिक स्वास्थ्य के प्रति मोदी सरकार का बहुआयामी दृष्टिकोण एक स्वस्थ और अधिक उत्पादक भारत के लिए मजबूत नींव रख रहा है। प्रमुख परिणामों में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों और टेली-मानस के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य देखभाल तक बेहतर पहुंच, कलंक को कम करने और प्रारंभिक हस्तक्षेप को बढ़ाने के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल में मानसिक स्वास्थ्य को एकीकृत करना और उपचार की कमी को पाटने के लिए कुशल मानसिक स्वास्थ्य कार्यबल का विकास शामिल है। हालांकि, मानसिक बीमारियों के लिए महत्वपूर्ण उपचार अंतर और सामाजिक कलंक जैसी चुनौतियां बनी हुई हैं, जो कई लोगों को मदद लेने से रोकती हैं। इनसे निपटने के लिए, सरकार को पहल का विस्तार करना, जागरूकता अभियान बढ़ाना और अधिक समावेशी मानसिक स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ावा देना जारी रखना चाहिए।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सिडनी टेस्ट में नहीं खेलेंगे मिचेल स्टार्क? ऑस्ट्रेलियाई कोच ने बड़ा हिंट देकर चौंकाया

एजेंसी

नई दिल्ली। स्टार्क के चोटिल होने की संभावना के चलते उनके सिडनी टेस्ट में खेलने पर संशय बना हुआ है. ऑस्ट्रेलियाई टीम के कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने स्टार्क के सिडनी टेस्ट में खेलने पर बहुत बड़ा हिंट दिया था, लेकिन अब तक कुछ साफ नहीं हो पाया है. वहीं एक मीडिया रिपोर्ट अनुसार स्टार्क सीरीज का आखिरी टेस्ट खेलेंगे या नहीं, इसका फैसला कम से कम गुरुवार से पहले नहीं लिया जाएगा।

सबालेंका ने जराजुआ को हराकर सत्र की शुरुआत की

ब्रिस्बेन। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में रेनाटा जराजुआ को हराकर अपने सत्र की शुरुआत की। बेलारुस की सबालेंका ने 63 मिनट तक चले मुकाबले में मेक्सिको की जराजुआ को 6-4, 6-0 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। तीसरे दौर में सबालेंका का मुकाबला कजाकिस्तान की यूलिया पुतिनत्सेवा से होगा।मैच के जीतने

के बाद सबालेंका ने कहा कि मैं दबाव में रहने के उस चरण से आगे निकल चुकी हूँ। उन्होंने कहा कि मैं हमेशा खिताबों और जीत के लिए भूखी रहती हूं जीतना लत लगाने जैसा है। मैं केवल अपने पर ध्यान केंद्रित करना पसंद करती हूं।

नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी ने मुंबई सिटी एफसी को 3-0 से हराया

मुंबई। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) मुकाबले में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए मुंबई सिटी एफसी को 3-0 से हराया। मुंबई फुटबॉल एरिना में खेले गये मैच में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के अलाएद्दीन अजारेई ने शुरुआती 46वें सेकंड में गोलकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। यह आईएसएल में किया गया सबसे तेज गोल था।83वें मिनट में अजराए ने सुधार करते हुए मैकर्टन निकसन के पास को बॉक्स के केंद्र

से बाएं पैर से शॉट लगाकर गोल में बदल दिया। विंगर मैकार्टन निक्सन ने 86वें मिनट में तीसरा गोल किया। इस जीत से नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी 21 अंक के साथ तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गई है।

आईपीएल में अनसोल्ड रहने के बाद डेविड वार्नरने पीएसएल सीजन 10 ड्राफ्ट के लिए कराया पंजीकरण

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) सीजन 10 के ड्राफ्ट के लिए हस्ताक्षर करने वाले नवीनतम खिलाड़ी बन गए हैं। पीएसएल ने वार्नर के ड्राफ्ट के लिए पंजीकरण की पुष्टि करते हुए एक्स लिखा, 2024 का शानदार अंत। ऑस्ट्रेलियाई पावरहाउस डेविड वार्नर ने पीएसएल ड्राफ्ट के लिए पंजीकरण कराया है! आगामी पीएसएल सीजन 10 के लिए नीलामी का आयोजन 11 जनवरी को बलूचिस्तान के ग्वादर शहर में होगा। यह सीजन 8 अप्रैल से शुरू होगा और 19 मई को समाप्त होगा। मंगलवार को वार्नर की घोषणा से पहले, के पूर्व तेज गेंदबाज टिम साउथी ने भी पीएसएल सीजन 10 के ड्राफ्ट के लिए साइन अप किया था। पीएसएल ड्राफ्ट में प्रवेश करने से पहले, वार्नर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 की मेगा नीलामी में शामिल हुए, लेकिन उन्हें अपने लिए कोई खरीदार नहीं मिला। वार्नर को ऑस्ट्रेलिया का सबसे बेहतरीन ऑल-फॉर्मेट ओपनर माना जाता है, उन्होंने टी20 विश्व कप से ऑस्ट्रेलियाई टीम के सुपर आठ से बाहर होने के बाद खेल के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया था। उन्होंने सात मैचों में दो अर्द्धशतकों सहित 178 रनों के साथ अभियान का अंत किया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 112 टेस्ट मैचों की 205 पारियों में 26 शतक और 37 अर्द्धशतक के साथ 44.59 की औसत से 8,786 रन बनाए। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 335* है। वह टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के लिए पांचवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। 161 एकदिवसीय मैच खेलते हुए वार्नर ने 45.30 की औसत और 97 से ऊपर के स्ट्राइक रेट से 6,93 रन बनाए उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 179 है। वह ऑस्ट्रेलिया के लिए वनडे में छठे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। वार्नर टी20आई में ऑस्ट्रेलिया के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 110 मैचों में 33.43 की औसत और 142.47 की स्ट्राइक रेट से 3,277 रन बनाए हैं।

सुधांशु मित्तल ने खो खो विश्वकप का कार्यक्रम जारी किया

एजेंसी

नयी दिल्ली। खो खो विश्वकप आयोजन समिति के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने कहा कि आगामी 13 जनवरी से भारत और नेपाल के बीच मुकाबले से इस टूर्नामेंट की शुरुआत होगी। श्री मित्तल ने आज यहां खो खो विश्वकप का कार्यक्रम जारी करते हुए कहा कि पहला मुकाबला भारत और नेपाल के बीच 13 जनवरी को इन्दिरा गाँधी इंडोर स्टेडियम में शाम सात बजे होगा। विश्वकप के लिए पुरुष और महिला टीमों को चार-चार वर्गों में बांटा किया गया। पुरुष वर्ग के ग्रुप ए में भारत, नेपाल, पेरू, ब्राजील और भूटान है। ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका, घाना, अर्जेंटीना, नीदरलैंड और ईरान है। ग्रुप सी में बंगलादेश, श्रीलंका, दक्षिण कोरिया, अमेरिका और पोलैंड है जबकि ग्रुप डी में इंग्लैंड, जर्मनी, मलेशिया, ऑस्ट्रेलिया और केन्या को रखा गया है।वहीं महिला वर्ग के ग्रुप ए में भारत, ईरान, मलेशिया और दक्षिण कोरिया हैं। ग्रुप बी में इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया,केन्या, यूगांडा और नीदरलैंड और ग्रुप सी में नेपाल,

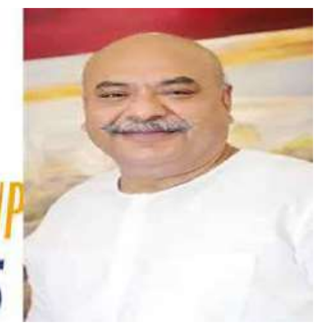

भूटान, श्रीलंका, जर्मनी और बंगलादेश तथा ग्रुप डी में दक्षिण अफ्रीका , न्यूजीलैंड,पोलैंड,पेरू और इंडोनेशिया को रखा गया है। उन्होंने बताया कि विश्वकप में महिला और पुरुष वर्ग में 20 देशों के बीच कुल 90 मुकाबले होंगे। पुरुष और महिला वर्ग में क्वार्टरफाइनल 17 जनवरी को 16 टीमों के बीच होगा। पुरुष और महिला वर्ग के सेमीफाइनल 18 जनवरी को खेले जायेंगे। पुरुष और महिला वर्ग के फाइनल 19 जनवरी को होगा। उन्होंने बताया कि लीग मैचों में ग्रुप ए में भारत और नेपाल के पुरुष वर्ग का मैच 13 जनवरी शाम सात बजे होगा। 14 जनवरी को विभिन्न ग्रुपों में होने वाले मुकाबले इस प्रकार है- ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका और घाना की पुरुष टीमें भिड़ेंगी। इसी दिन ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के महिला टीम के बीच मैच सुबह खेला जायेगा। ग्रुप ए में पेरू और भूटान के पुरुष वर्ग का मैच होगा। ग्रुप डी में पोलैंड और इंडोनेशिया के महिला वर्ग का मैच होगा। ग्रुप डी में मलेशिया और केन्या के पुरुष वर्ग में, ग्रुप डी दक्षिण अफ्रीका और पेरू की महिला टीम के बीच मैच होगा। ग्रुप ए में भारत और दक्षिण कोरिया की महिला टीम भिड़ेंगी। ग्रुप ए में भारत और ब्राजील की पुरुष टीम के बीच मैच होगा। 15 जनवरी को होने वाले मुकाबले में ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया और युगांडा महिला। ग्रुप ए में नेपाल और ब्राजील की पुरुष टीम के बीच खेला जायेगा। ग्रुप डी में न्यूजीलैण्ड और पेरू की महिला टीम, ग्रुप डी में इंग्लैंड और मलेशिया की पुरुष टीम, ग्रुप डी में दक्षिण अफ्रीका और पोलैंड की महिला टीम खेलेगी।

कुन्हा पर दुर्व्यवहार के लिए दो मैच का प्रतिबंध और 80 हजार पाउंड का जुर्माना

एजेंसी

इप्सविच (इंग्लैंड)। वॉल्वरहैम्प्टन वांडरर्स के फॉरवर्ड मैथियस कुन्हा पर इप्सविच टाउन के साथ खेले गये मैच के बाद दुर्व्यवहार के लिए फुटबॉल एसोसियेशन (एफए) ने दो मैच का प्रतिबंध और 80 हजार पाउंड का जुर्माना लगाया गया है। स्काई स्पोर्ट्स की रिपोर्ट के अनुसार 14 दिसंबर को प्रीमियर लीग के मैच के खत्म होने के बाद कुन्हा इप्सविच एक सदस्य के साथ विवाद में शामिल थे और एफए ने ब्राजील के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी पर दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया।

यह घटना जैक टेलर द्वारा इप्सविच के लिए आखिरी मैच में विजयी गोल करने के बाद हुई। वॉल्व्स ने अपने 19 मैचों में से चार जीते हैं और प्रीमियर लीग में 17वें स्थान पर हैं। एफए ने एक बयान में कहा, मैथियस कुन्हा को शनिवार 14 दिसंबर को वॉल्वरहैम्प्टन वांडरर्स और इप्सविच टाउन के बीच प्रीमियर लीग के मैच के बाद दो मैचों के लिए निलंबित कर दिया गया है और 80 हजार पाउंड का जुर्माना लगाया गया है।

दिल्ली ने त्रिपुरा को 64 रनों से हराया

एजेंसी

हैदराबाद। तेजस्वी दहिया (114) की शतकीय और सनत सांगवान (54), सुमित माथुर (नाबाद 47), और अर्पित राणा (41) की शानदार पारियों के बाद प्रिंस यादव (चार विकेट) और ईशांत शर्मा (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर दिल्ली की टीम ने त्रिपुरा को 64 रनों से पराजित किया। दिल्ली के 306 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी त्रिपुरा की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र एक रन पर अपने दो विकेट गवां दिये। बिक्रमकुमार दास (शून्य) और जीवनजोत सिंह (एक) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद श्रीदम पॉल और कप्तान मनदीप सिंह ने तीसरे विकेट के लिए 95 रन जोड़े। 26वें ओवर में मयंक गुसाईं ने मनदीप सिंह (46) को आउट किया। इसके बाद ईशांत शर्मा ने श्रीदम पॉल (64) को पवेलियन भेज दिया। बिक्रमजीत देबनाथ (45), रजत डे (32), मणिशंकर मुरासिंह (22), राणा दत्ता(20) रन बनाकर आउट हुये। दिल्ली के गेंदबाजी आक्रमण के आगे त्रिपुरा की पूरी टीम 49.2 ओवर में 242 रन पर ढ़ेर हो गई। दिल्ली की ओर से प्रिंस यादव ने चार और ईशांत शर्मा ने तीन विकेट लिये। ऋतिक शौकीन ने और मयंक गुसाईं ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले दिल्ली ने त्रिपुरा के खिलाफ 306 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया था। त्रिपुरा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। दिल्ली की सनत सांगवान और अर्पित राणा की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 83 रन जोड़े। इसके बाद मयंक गुसाईं (10) और आयुष बडोनी (15) दोनों ही बल्लेबाज रन आउट हुये। 31वें ओवर में सीके पॉल ने सनत सांगवान (54) को आउट किया। आयुष दोसेजा (10) रन बनाकर आउट हुये। आखिरी ओवर में तेजस्वी दहिया को मणिशंकर मुरासिंह ने आउट किया। दहिया ने 78 गेंदों में नौ चौके और छह छक्के लगाते हुए (114) रनों की पारी खेली। सुमित माथुर ने 37 गेंदों में (नाबाद 47) रन बनाये। दिल्ली ने निर्धारित 50 ओवरों में 306 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया।

मुम्बई ने नागालैंड को 189 रनों से हराया

एजेंसी

अहमदाबाद। आयुष म्हात्रे (181) के तूफानी शतकीय अंगकृष रघुवंशी (53) और कप्तान शार्दुल ठाकुर (नाबाद 73) की अर्धशतकीय पारियों के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत मुम्बई ने विजय हजारे ट्रॉफी के ग्रुप सी मुकाबले में नागालैंड को 189 रनों से हरा दिया।मुम्बई के 403 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी नागालैंड की शुरुआत नागालैंड की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र 23 रन पर अपने पांच विकेट गवां दिये। हालांकि इस दौरान एस रुपेरो एक छोर थामे खड़े रहे। उन्होंने जगदीश सुचित के साथ छठे विकेट के लिए 85 रन जोड़े। छठे विकेट के रूप में एस रूपेरो (53)रन बनाकर आउट हुये। 48वें ओवर में इमलिवति लेमतुर (27) आउट हुये। 49वें ओवर में सूर्यांश शेडगे जगदीश सुचित को आउट किया। जगदीश सुचित ने 97 गेंदों में सात चौके और चार छक्के लगाते हुए (104) रनों की पारी खेली। नागालैंड की टीम निर्धारित 50 ओवरों में सात विकेट पर 214 रन ही बना सकी और 189 रनों से मुकाबला हार गई। मुम्बई के लिए शार्दुल ठाकुर ने तीन विकेट लिये। रॉयस्टन डायस और सूर्यांश शेडगे को दो-दो विकेट मिले। सिद्धेश लाड और हर्षा तन्ना ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले नागालैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी मुम्बई के लिए आयुष म्हात्रे और अंगकृष रघुवंशी की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 156 रनों की साझेदारी की। 25वें ओवर में जगदीश सुचित ने अंगकृष रघुवंशी (53) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा।

इसके बाद जय बिस्ता (दो) रन बनाकर आउट हुये। सिद्धेश लाड (39), प्रसाद पवार (38) रन बनाकर आउट हुये । आयुष म्हात्रे ने 117 गेंदों में 15 चौके और 11 छक्के लगाते हुए (181) रनों की पारी खेली। शार्दुल ठाकुर 28 गेंदों में दो चौके और आठ छक्के लगाकर (73) रन पर नाबाद रहे। मुम्बई ने निर्धारित 50 ओवरों में सात विकेट पर 403 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।

उत्तर प्रदेश ने चंड़ीगढ़ को चार विकेट से हराया

एजेंसी

विजयनगरम। शिवम मावी (चार विकेट) और रिंकू सिंह (दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद सलामी बल्लेबाज आर्यन जुयाल (116) की शतकीय और अभिषेक गोस्वामी (50) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत उत्तर प्रदेश ने विजय हजारे ट्रॉफी में ग्रुप डी के मुकाबले में चंड़ीगढ़ को चार विकेट से हरा दिया। चंड़ीगढ़ को 271 रनों के जवाब में बल्ल्लेबाजी करने उतरी उत्तर प्रदेश की आर्यन जुयाल और अभिषेक गोस्वामी की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 108रन जोड़े। 22वें ओवर में निशंकु बिरला ने अभिषेक गोस्वामी (50) को आउटकर चंड़ीगढ़ को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद अभिषेक सैनी ने करण शर्मा और समीर रिजवी को एक ही ओवर पगबाधा आउट कर पवेलियन भेज दिया। प्रियम गर्ग ने (35) और

शिवम मावी (22) रन बनाकर आउट हुये।आर्यन जुयाल ने 125 गेंदों में 11 चौके और दो छक्के लगाते हुए (116) रन बनाये। कप्तान रिंकू सिंह ने 28 गेंदों में दो चौके और दो छक्के लगाते हुए (नाबाद 36) रनों की पारी खेली। उत्तर प्रदेश ने 46.5 ओवर में छह विकेट पर 275 रन बनाकर चार विकेट से मुकाबला जीत लिया।चंड़ीगढ़ की ओर से निशुंक बिरला और अभिषेक सैनी ने दो-दो विकेट लिये। जगजीत सिंह और निखिल शर्मा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां उत्तर प्रदेश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी चंड़ीगढ़ के लिए कप्तान मनन वोहरा और तुषार जोशी ने पहले विकेट के लिए 31 रन जोड़े। 11वें ओवर में आ?किब खान ने तुषार जोशी (18) को आउट कर उत्तर प्रदेश को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये शिवम भांबरी ने कप्तान मनन वोहरा के साथ दूसरे विकेट के लिए 69 रन जोड़े। 24वें ओवर में वी निगम ने मनन वोहरा को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। मनन वोहरा ने (44) रनों की पारी खेली। शिवम भांबरी ने (68) रन बनाये। अंकित कौशक (36), राज बावा (36), अर्मित लबाना (28), निखिल शर्मा (18) रन बना कर आट हुये। आखिर चार बल्लेबाज दहाई अंक तक भी नहीं पहुंच सके। उत्तर प्रदेश के गेंदबाजी आक्रमण के आगे चंड़ीगढ़ की पूरी टीम 49.3 ओवरों में 271 रन पर सिमट गई।उत्तर प्रदेश के लिए शिवम मावी ने चार, रिंकू सिंह और आकिब खान ने दो-दो विकेट लिये। वी निगम ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

हेमवती नंदन बहुगुणा मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट में अलीगंज क्लब और लिफा क्लब ने मैच जीते

एजेंसी

लखनऊ। सातवें हेमवती नंदन बहुगुणा मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट में खेले गये मैचों में एल डी ए अलीगंज क्लब और लिफा क्लब अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज की। पूर्व मंत्री डॉ अम्मार रिजवी ने आज सातवें हेमवती नंदन बहुगुणा मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट का चौक स्टेडियम में उद्घाटन किया। पहला मैच एल डी ए अलीगंज और लखनऊ यूथ क्लब के बीच खेला गया। इस मुकाबले में एल डी ए क्लब ने लखनऊ यूथ क्लब को 5-2 से हराया। एल डी ए अलीगंज की ओर से अमन पांडे ने 22 मिनट, उत्कर्ष पटेल 31, प्रियांशु कुमार 36,47, प्रियांशु वर्मा 47 मिनट में गोल किया। वहीं लखनऊ यूथ कि ओर से अमर ने 9,16 मिनट में गोल किया।दूसरे मैच में लिफा क्लब ने डी सी ए क्लब को (5-0) से हराया। लिफा क्लब कि ओर से राजवीर की हैट्रिक 13,17,40 में मिनट , युसूफ 31, शोभित 50,

मिनट में गोल किया। टूर्नामेंट का पहला मैच एल डी ए अलीगंज और लखनऊ सिटी क्लब के बीच होगा। दूसरा मैच मिलानी क्लब और अलीगंज वॉरियर क्लब के बीच खेला जायेगा।

महाराष्ट्र की अनन्या नायडू ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता

एजेंसी

भोपाल। महाराष्ट्र की अनन्या नायडू ने एमपी स्टेट एकेडमी (एमपीएसए) शूटिंग रेंज में चल रही 67वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप प्रतियोगिता (एनएससीसी) (राइफल) की महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में 252.5 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने रेलवे की अनुभवी मेघना सज्जनार को मात्र 0.2 अंकों से हराकर पहला सीनियर राष्ट्रीय खिताब जीता। कांस्य पदक तमिलनाडु की आर. नर्मदा नितिन को मिला, जो 231.3 अंकों के साथ स्वर्ण पदक की होड़ से बाहर हो गयीं। विजेता ने पहले पांच-एकल-शॉट सीरीज के बाद ही 1.4 की बढ़त बना ली और फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। 24 शॉट के फाइनल के अंतिम दो शॉट में अनन्या और मेघना दोनों ने कुल 20.6 अंक बनाए, जिससे फाइनल हॉल में बैठे दर्शकों के साथ-साथ ऑनलाइन दर्शकों को भी रोमांचित कर दिया।

क्वालिफिकेशन परिणाम में अनन्या 8वें स्थान पर रहीं। राज्य की खिलाड़ी आर्या राजेश बोरसे ने कुल 633.3 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि नर्मदा नितिन ने क्वालिफिकेशन और फाइनल दोनों में लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए स्कोरबोर्ड पर शीर्ष 3 में अपना स्थान बनाए रखा। उन्होंने 632.9 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर क्वालीफाई किया।अनन्या ने क्वालिफिकेशन में अपनी अंतिम रैंक को अंतिम विजेता में बदलकर शानदार प्रदर्शन किया। 10 मीटर एयर राइफल जूनियर महिला स्पर्धा में गौतमी भनोट ने 251.5 अंकों के साथ पहला स्थान हासिल किया। रजत पदक विजेता मयूरी लक्ष्मण पवार (महाराष्ट्र) और गौतमी दोनों एक समय 168.0 अंकों पर बराबरी पर थीं, लेकिन अगले दो शॉट में मयूरी के 20.5 के मुकाबले 21.6 के स्कोर ने गौतमी को फिर से बढ़त दिलाने में मदद की। दिशा धनकर (हरियाणा) ने 229.9 अंकों के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

वेस्ट हैम यूनाइटेड के स्ट्राइकर माइकलएंटोनियो को अस्पताल से मिली छुट्टी

एजेंसी

लंदन। वेस्ट हैम यूनाइटेड के स्ट्राइकर माइकल एंटोनियो को एक गंभीर कार दुर्घटना के बाद अस्पताल में तीन सप्ताह बिताने के बाद छुट्टी दे दी गई है। 7 दिसंबर को एपिंग, एसेक्स में हुई दुर्घटना के बाद एंटोनियो के निचले अंग में फ्रैक्चर की सर्जरी की गई थी और उन्हें सेंट्रल लंदन के एक अस्पताल में ले जाया गया था। नेशनल हेल्थ सर्विसेज और एयर एम्बुलेंस यूके की त्वरित प्रतिक्रिया के बाद, कार में फंसे एंटोनियो को वाहन से बाहर निकाला गया और अस्पताल ले जाया गया। ईस्ट लंदन स्थित इस क्लब ने एनएचएस और एयर एम्बुलेंस को उनकी सेवाओं के लिए धन्यवाद देने के पाउंड तक जुटाए हैं। क्लब की ओर से मंगलवार को जारी बयान में कहा गया, वेस्ट हैम यूनाइटेड ने हाल ही में प्रीमियर लीग में वॉल्वरहैम्प्टन वांडरर्स के खिलाफ़ खेले गए मैच में पहने गए कपड़ों की नीलामी के बाद एनएचएस और एयर एम्बुलेंस यूके चैरिटी को लगभग 60,000 पाउंड का दान दिया है। मिशेल एंटोनियो की सड़क दुर्घटना के बाद हुई नीलामी से प्राप्त राशि एनएचएस और एयर एम्बुलेंस यूके चैरिटी के बीच बराबर-बराबर बांटी जाएगी, जो यूके की एयर एम्बुलेंस चैरिटी के जीवन रक्षक कार्यों का समर्थन करने वाली राष्ट्रीय चैरिटी है। एंटोनियो प्रीमियर लीग में वेस्ट हैम के सर्वकालिक शीर्ष स्कोरर हैं, जिन्होंने 268 लीग मैचों में 68 गोल किए हैं। वेस्ट हैम के कप्तान जेरेड बोवेन ने कहा, हम सभी एनएचएस और एयर एम्बुलेंस यूके दोनों द्वारा मिशेल को उनके और उनके परिवार के लिए चुनौतीपूर्ण समय के दौरान दी गई देखभाल के लिए आभारी हैं।

पंत की आलोचना विफलता के लिए करें, आउट होने के तरीके के लिए नहीं : संजय मांजरेकर

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने ऋषभ पंत का बचाव करते हुए आलोचकों से विकेटकीपर-बल्लेबाज के आउट होने के तरीके के बजाय उनके परिणामों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया है। यह टिप्पणी मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट के दौरान पंत के विवादास्पद शॉट चयन के मद्देनजर आई है, जिसने भारत के पतन और अंततः 184 रन की हार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मेलबर्न टेस्ट की दूसरी पारी के दौरान, जब भारत मैच बचाने के लिए संघर्ष कर रहा था, तब पंत ट्रेविस हेड की गेंद पर जोखिम भरा छक्का लगाने के प्रयास में गिर गए। गलत समय पर शॉट लगाने के कारण वह आउट हो गए और भारतीय बल्लेबाजी क्रम चरमरा गया, जिसके कारण वे 5वें दिन के अंतिम 91 ओवरों में टिक नहीं पाए। भारत की हार ने उन्हें बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 1-2 से पीछे कर दिया, जिससे भारत की डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को नुकसान पहुंचा, जिससे पंत के शॉट चयन की व्यापक आलोचना हुई। हालांकि, मांजरेकर ने एक बारीक दृष्टिकोण पेश किया, जिसमें उन्होंने दावा किया कि पंत की आलोचना उनके आउट होने के तरीके के बजाय बड़े स्कोर बनाने में उनकी विफलता के लिए की जानी चाहिए। सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर, मांजरेकर ने पंत की प्रभावशाली टेस्ट साख को उजागर किया, साथ ही उनके आउट होने के तरीके का अधिक विश्लेषण करने के खिलाफ चेतावनी दी। मांजरेकर ने पोस्ट किया, पंत की आलोचना केवल उनकी विफलताओं के लिए की जानी चाहिए, न कि उनके विफल होने के तरीके के लिए। टेस्ट में उनका औसत 42 है और किसी भारतीय द्वारा खेली गई कम से कम 3 बेहतरीन पारियां हैं! 42 टेस्ट में, उन्होंने 6 शतक और 7 नाइंटीज बनाए हैं। वह एक महान खिलाड़ी है, जो पर्याप्त रन नहीं बना पा रहा है और यही इसका सार है।मांजरेकर की टिप्पणी ने मैच विजेता के रूप में पंत के रिकॉर्ड को रेखांकित किया, जिन्होंने अपने युवा करियर में कई बार दबाव में अच्छा प्रदर्शन किया है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया में ऐतिहासिक प्रदर्शन भी शामिल है। मौजूदा सीरीज में पंत का योगदान निराशाजनक रहा है, बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने चार मैचों (सात पारियों) में 22 की औसत से सिर्फ 154 रन बनाए हैं।

2025 में भारतीय शटलरों की नजरें ऑल इंग्लैंड, विश्व चैंपियनशिप पर

पुणे।

नई दिल्ली। 2024 में मिले-जुले नतीजों का सामना करने के बाद, भारतीय शटलर नए साल के लिए उत्साह के साथ तैयार होंगे क्योंकि सीजन की शुरुआत मलेशिया ओपन और इंडिया ओपन के साथ हुई है, लेकिन मुख्य फोकस सबसे प्रतिष्ठित ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप और विश्व चैंपियनशिप के साथ-साथ अन्य बड़े आयोजनों पर होगा। भारतीय शटलरों ने 2024 बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर में कुल पांच खिताब जीते हैं। पांच खिताबों में से एक-एक पुरुष और महिला एकल में, दो पुरुष युगल में और एक महिला युगल में है।

नए सत्र की शुरुआत एशियाई स्विंग के साथ होगी क्योंकि सुपर 1000 टूर्नामेंट, मलेशिया ओपन, 7 जनवरी को कुआलालंपुर में शुरू होगा, इसके बाद इंडियन ओपन होगा, जो एक सुपर 750 इवेंट है, जो 14-19 जनवरी को देश की राजधानी में निर्धारित है।इंडोनेशिया मास्टर सुपर 500 (21 से 26 जनवरी) और थाईलैंड मास्टर्स सुपर 300 (28 जनवरी से 2 फरवरी) एशियाई सर्किट का समापन करेंगे, जिसके बाद यूरोप में मुकाबले शुरू होंगे।यूरोपीय लेग की शुरुआत बर्मिंघम के यूटिलिटा एरिना में 11 से 16 मार्च तक चलने वाले दुनिया के सबसे पुराने और सबसे प्रतिष्ठित बैडमिंटन

टूर्नामेंट ऑल इंग्लैंड ओपन से होगी। भारतीय शटलर लंबे समय से ऑल इंग्लैंड ओपन में भाग ले रहे हैं, लेकिन 1980 से 2024 के बीच पांच फाइनल में पहुंचने के साथ अब तक केवल दो खिताब ही जीत पाए हैं।

बैडमिंटन के दिग्गज प्रकाश पादुकोण एकमात्र भारतीय हैं, जो दो बार ऑल इंग्लैंड ओपन के फाइनल में पहुंचे हैं, पहली बार 1980 में, जब उन्होंने प्रतिष्ठित खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बनकर इतिहास रच दिया था। अगले वर्ष, उन्होंने टूर्नामेंट में अपना दूसरा फाइनल खेला, लेकिन अपने पुरुष एकल खिताब का बचाव करने में सफल नहीं हो सके। 21 साल के लंबे इंतजार के बाद, पुलेला गोपीचंद 2001 में ऑल इंग्लैंड ओपन जीतने वाले दूसरे भारतीय बने। लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल 2015 में ऑल इंग्लैंड के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला बनीं और उपविजेता रहीं, जबकि लक्ष्य सेन गोपीचंद के बाद 21 साल में पुरुष फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय पुरुष शटलर बने।हाल ही में शादी के बंधन में बंधने वाली पीवी सिंधु, लक्ष्य सेन, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की गतिशील पुरुष युगल जोड़ी और 2022 और 2023 में लगातार सेमीफाइनल में पहुंचने वाली होनहार महिला युगल जोड़ी ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद सहित स्टार शटलर इस खिताब को जीतने और 24 साल के इंतजार को खत्म करने का प्रयास करेंगे। पूर्व चैंपियन सात्विक और चिराग 2024 में टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद चीन के निंगबो में 8 से 13 अप्रैल तक होने वाली बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में पुरुष युगल खिताब बरकरार रखने का लक्ष्य रखेंगे।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी लौटने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा।वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.72 प्रतिशत चढ़कर 71.50 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.68 प्रतिशत बढ़कर 74.49 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। देश के चार महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत इस प्रकार रही।

खाद्य तेलों में टिकाव, दालें सस्ती

नयी दिल्ली । विदेशी बाजारों की गिरावट के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा जबकि अधिकांश दालें सस्ती हो गईं वहीं अन्य जिसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में जनवरी का पाम ऑयल वायदा 90 रिंगिट गिरकर 4835 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह जनवरी का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.22 सेंट की बढ़त के साथ 40.08 सेंट प्रति पौंड बोला गया।इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों टिकाव रहा सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

दाल-दलहन:दाल-दलहन के बाजार में मिलजुला रुख रहा। चना 150 रुपये, दाल चना 150 रुपये और अरहर दाल 150 रुपये प्रति क्विंटल लुढ़क गया। वहीं, मसूर दाल, मूंग दाल और उड़द दाल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले दिवस के स्तर पर स्थिर रही।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

व्हाट्सऐप पे को अब सभी को यूपीआई सेवाएं प्रदान करने की अनुमति

मुंबई। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने थर्ड पार्टी ऐप प्रदाता व्हाट्सऐप पे को अब सभी उपयोगकर्ताओं को यूपीआई सेवायें प्रदान करने की अनुमति दे दी है। एनपीसीआई ने आज यहां जारी बयान में कहा कि व्हाट्सऐप पे के लिए यूपीआई उपयोगकर्ता ऑनबोर्डिंग सीमा को तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है। इसके साथ ही व्हाट्सऐप पे अब भारत में अपने संपूर्ण उपयोगकर्ताओं को यूपीआई सेवाएँ प्रदान कर सकता है। इससे पहले,एनपीसीआई ने व्हाट्सऐप पे को चरणबद्ध तरीके से अपने यूपीआई उपयोगकर्ता आधार का विस्तार करने की अनुमति दी थी।

अदाणी ग्रीन एनर्जी के सीईओ अमित सिंह पद से हटेंगे, अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा कारोबार की कमान संभालेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। अदाणी ग्रीन एनर्जी लि. (एजीईएल) ने कहा कि उसके मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमित सिंह अपने पद से हटेंगे और अदाणी समूह के अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा कारोबार के सीईओ का कार्यभार संभालेंगे। अदाणी समूह की कंपनी ने बयान में कहा कि अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा कारोबार के सीईओ आशीष खन्ना अगले साल एक अप्रैल से अदाणी ग्रीन एनर्जी के सीईओ का कार्यभार संभालेंगे। बयान के अनुसार, ''एजीईएल के वर्तमान सीईओ अमित सिंह 31 मार्च, 2025 से कंपनी के सीईओ के रूप में अपने पद से हट जाएंगे और अदाणी समूह के अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा कारोबार के सीईओ का पदभार संभालेंगे।''

एजीईएल ने कहा कि यह कदम अदाणी समूह में नियमित आंतरिक नेतृत्व बदलाव की योजना के अनुरूप है। समूह और कंपनी के उद्देश्यों के अनुरूप सतत विकास और लगातार विकसित होने वाले नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए यह बदलाव किया गया है। खन्ना के पास भारत और विदेश दोनों में नवीकरणीय ऊर्जा, बुनियादी ढांचे, परियोजना प्रबंधन और अनुबंध प्रबंधन के क्षेत्रों में तीन दशक से अधिक का अनुभव है। अमित सिंह को ऊर्जा उद्योग का रणनीतिकार माना जाता है। वह एसएलबी (पूर्व में श्लम्बरगर) में काम करने के व्यापक वैश्विक अनुभव के साथ हरित ऊर्जा की दिशा में बदलाव के क्षेत्र में अच्छा-खासा अनुभव रखते हैं।

आठ प्रमुख उद्योगों में नवंबर के उत्पादन में सालाना आधार पर 4.3 प्रतिशत की वृद्धि

एजेंसी

नई दिल्ली। सीमेंट, कोयला और इस्पात क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन से देश के आठ प्रमुख उद्योगों ने सम्मिलित उत्पादन सूचकांक में नवंबर 2024 में एक साल पहले की तुलना में 4.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की जारी एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गयी है। मंत्रालय ने वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने इन प्रमुख उद्योगों की अक्टूबर, 2024 के उत्पादन के आंकड़ों को संशोधित कर उस माह वृद्धि के पहले अनुमान को 3.1 प्रतिशत से बढ़ाकर 3.7 प्रतिशत कर दिया। अप्रैल-नवंबर, 2024-25 के दौरान इन आठ प्रमुख उद्योगों का उत्पादन पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 4.2 प्रतिशत बढ़ा। इन आठ उद्योगों का देश के कुल औद्योगिक उत्पादन का

लगभग 40 प्रतिशत योगदान है। विज्ञप्ति के अनुसार नवंबर के आंकड़ों में सीमेंट क्षेत्र का बड़ा योगदान है। सीमेंट उत्पादन में सालाना आधार पर 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी। एक साल से अधिक समय में सीमेंट क्षेत्र के उत्पादन में यह सबसे बड़ा उछाल है। माह-दर-माह आधार कोर इंडस्ट्रीज का सूचकांक (आईसीआई) अक्टूबर के स्तर से 3.3 प्रतिशत नीचे 156.8 सूचकांक पर आ गया, जिसमें आठ में से छह क्षेत्रों में उत्पादन में गिरावट दर्ज की गई। रिफाइनरी उत्पाद और कोयला ही एकमात्र ऐसे क्षेत्र थे, जिनमें पूर्ण उत्पादन स्तर में वृद्धि देखी गई, जो क्रमशः चार महीने और आठ महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। साल-दर-साल आधार पर, कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन में क्रमशः 2.1 प्रतिशत और 1.9 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी । कच्चे तेल का उत्पादन लगातार सात महीने और गैस का लगातार पाचवें महीने में गिरावट में रही। बिजली उत्पादन में पिछले वर्ष नवंबर की तुलना में इस वर्ष नवंबर में 3.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि स्टील का उत्पादन एक साल पहले की तुलना में 4.8 प्रतिशत बढ़ा। इस दौरान उर्वरकों का उत्पादन साल-दर-साल दो प्रतिशत की दर से बढ़ा, जबकि रिफाइनरी उत्पादों में 2.9 प्रतिशत और कोयले के उत्पादन में 7.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी। अगस्त, 2024 के अंतिम आंकड़ों के अनुसार उस माह इन प्रमुख उद्योगों के उत्पादन में सालाना आधार पर 1.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी थी।

विमान ईंधन 1,401.37 रुपये तक हुआ सस्ता, नई दरें लागू

एजेंसी

नई दिल्ली। नए साल 2025 की शुरुआत कई सारे बदलाव के साथ हो गई है। विमानन क्षेत्र को राहत देने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) के दाम में 1,401.37 रुपये प्रति किलोलीटर की कटौती की है। इस कटौती के बाद हवाई सफर सस्ता हो सकता है। नई दरें बुधवार से लागू हो गईं । इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक, नई दिल्ली में विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमत 1,401.37 रुपये घटकर 90,455.47 रुपये प्रति किलोलीटर (1000 लीटर) हो गई है। इसी तरह कोलकाता में इसका भाव 93,059.79 रुपये प्रति किलोलीटर, मुंबई में 84,511.93 रुपये प्रति किलोलीटर और चेन्नई में 93,670.72 रुपये प्रति किलोलीटर हो गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले साल दिसंबर में तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने एटीएफ की कीमत में

1,318.12 रुपये प्रति किलोलीटर और नवंबर में 2,941.5 रुपये प्रति किलोलीटर की बढ़ोतरी की गई थी। विमान ईंधन की कीमतों में यह गिरावट हवाई यात्रियों के लिए संभावित लाभ में तब्दील हो सकती है।

गिरावट के साथ बंद हुआ बाजार, निफ्टी और सेंसेक्स ने निचले स्तर से की शानदार रिकवरी

एजेंसी

नई दिल्ली।कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। पहले 1 घंटे के कारोबार में बिकवाली के दबाव की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों में बड़ी गिरावट आ गई, लेकिन इसके बाद खरीदारों ने जोर लगाया। खरीदारों की लिवाली की वजह से आज का कारोबार खत्म होने के कुछ देर पहले ये दोनों सूचकांक निचले स्तर से शानदार रिकवरी करके हरे निशान में पहुंचने में सफल रहे। हालांकि आखिरी वक्त में एक बार फिर बिकवाली का दबाव बनने की वजह से दोनों सूचकांक वापस लाल निशान में गिर गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.14 प्रतिशत टूट कर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी ने 0.00042 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ साल 2024 के कारोबार का अंत किया। आज दिनभर के कारोबार के दौरान ऑयल एंड गैस, एनर्जी और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। इसी तरह पीएसई, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी और मेटल इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर आईटी, टेक, बैंकिंग और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.71 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के बावजूद मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में खरीदारी होने के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 60 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 441.99 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 441.36 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 63 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,079 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,321 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,647 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 111 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,503 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,572 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 931 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 15 शेयर बढ़त के साथ और 15 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 24 शेयर हरे निशान में और 26 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

लघु बचत योजनाओं की ब्याज दरें रहेंगी अपरिवर्तित : वित्त मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने चालू वित्त 2024-24 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के लिए लघु बचत योजनाओं की की ब्याज दरों में लगातार चौथी तिमाही में इसमें कोई बदलाव नहीं किया है। सरकार ने इन योजनाओं पर मिलने वाली ब्याज दर को अपरिवर्तित रखा गया है। वित्त मंत्रालय ने जारी एक अधिसूचना में यह जानकारी दी है।वित्त मंत्रालय की ओर से जारी एक अधिसूचना में कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही के लिए विभिन्न लघु बचत योजनाओं पर ब्याज की दरें, जो 01 जनवरी 2025 से शुरू होकर 31 मार्च 2025 को समाप्त होंगी, वो वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही (01 अक्टूबर, 2024 से 31 दिसंबर, 2024) के लिए अधिसूचित दरों से अपरिवर्तित रहेंगी। मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार चालू वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही के लिए विभिन्न लघु बचत योजनाओं पर ब्याज की दरें वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के लिए अधिसूचित दरों से अपरिवर्तित रहेंगी। अधिसूचना के अनुसार सुकन्या समृद्धि योजना के तहत जमा पर 8.2 फीसदी ब्याज मिलेगी, जबकि तीन साल की

सावधि जमा पर ब्याज की दर 7.1 फीसदी ही रहेगी। सबसे प्रचलित सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ) और डाकघर बचत जमा योजनाओं की ब्याज की दरें क्रमशः 7.1 फीसदी और 4 फीसदी पर बरकरार रखी गई है। किसान विकास पत्र पर ब्याज की दर 7.5 फीसदी होगी, जबकि निवेश 115 महीने में परिपक्व होगा। इसी तरह राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (एनएससी) पर ब्याज की दर जनवरी-मार्च 2025 की अवधि के लिए 7.7 फीसदी रहेगी। इसके अलावा मासिक आय योजना पर निवेशकों को 7.4 फीसदी ब्याज मिलेगा। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने पिछली चार तिमाहियों से लघु बचत योजनाओं पर ब्याज की दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। पिछली बार पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में कुछ योजनाओं की ब्याज दरों में बदलाव किया गया था। वित्त मंत्रालय प्रत्येक तिमाही में डाकघरों और बैंकों की ओर से संचालित लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरों की अधिसूचना जारी करती है।

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 16 रुपये तक हुआ सस्ता, नई दरें लागू

एजेंसी

नई दिल्ली। नया साल 2025 अपने साथ कई सारे बदलाव को लेकर आया है। इन बदलावों का असर आपकी जिंदगी और जेब पर पड़ेगा। मारुति सुजुकी, हुंडई, टाटा मोटर्स, किआ इंडिया, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की गाड़ियां महंगी हो गई हैं। वहीं, 19 किलोग्राम वाला कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 16 रुपये तक सस्ता हो गया है। हालांकि, घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में बदलाव नहीं हुआ है। नई दरें लागू हो गई हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने बुधवार को 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 16 रुपये तक की कटौती की है। राजधानी दिल्ली में इसका दाम 14.50 रुपये घटकर 1804 रुपये हो गया है, जो पहले 1818.50 रुपये में मिल रहा था। वहीं, कोलकाता में इसकी कीमत 16 रुपये घटकर 1911 रुपये हो गई है, जो पहले 1927 में मिल रहा था। मुंबई में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 15 रुपये घटकर 1756 रुपये का हो गया है, जबकि चेन्नई में यह सिलेंडर 1966 रुपये का मिल रहा है। उल्लेखनीय है कि तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है। राजधानी दिल्ली में यह 803 रुपये और मुंबई में 802.50 रुपये का मिल रहा है।

नए साल में बदल जाएंगे कई नियम, आपकी जेब पर भी पड़ सकता है असर

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। आज 2024 का आखिरी दिन है और कल से नए साल 2025 की शुरुआत हो जाएगी। नए साल की शुरुआत के साथ ही कई चीजें बदलेंगी, वहीं कुछ नियमों में भी बदलाव होगा। इनमें जीएसटी के नियम, पेंशन, यूपीआई लिमिट समेत कई नियम शामिल हैं। एक जनवरी से नए नियमों के तहत कई कामकाज होंगे। जीएसटी काउंसिल के फैसले के मुताबिक 1 जनवरी से जीएसटी से जुड़े कई नियमों में परिवर्तन होने वाला है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन मल्टी फैक्टर ऑथेंटिकेशन (एमएफए) का है। एमएफए की प्रक्रिया जीएसटी फाइल करने वाले सभी करदाताओं पर लागू होगी। इसका उद्देश्य जीएसटी फाइल करने की प्रक्रिया को अधिक सुरक्षित बनाना है। इसी तरह 1 जनवरी से बेसिक फोन या पुश बटन फोन के जरिए अपने बैंक अकाउंट से पैसा ट्रांसफर करने वाले टेलीफोन यूजर्स के

लिए यूपीआई 123 पे की लिमिट 10,000 रुपये कर दी गई है। पहले यूपीआई 123 पे के तहत टेलीफोन यूजर्स अधिकतम 5,000 रुपये ट्रांसफर कर सकते थे। पेंशन प्लान के मामले में भी बड़ा अपडेट है। 1 जनवरी से ईपीएफओ ने पेंशन के नियमों को सरल कर दिया है। इसके तहत अब किसी भी बैंक से कर्मचारी अपने पेंशन की रकम को निकाल सकेंगे। ईपीएफओ के इस नियम से पेंशन की रकम निकालना काफी आसान हो जाएगा। इसके लिए कर्मचारियों को किसी भी अतिरिक्त सत्यापन की जरूरत नहीं होगी।

रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद लिए गए फैसले में किसानों के लिए बिना गारंटी लोन की सीमा बढ़ाने की भी मंजूरी दी गई थी। इसके तहत 1 जनवरी से किसान अब बिना गारंटी के 2 लाख रुपये तक कर्ज ले सकेंगे। पहले बिना गारंटी के किसानों को 1.60 लाख रुपये तक लोन मिलता था, लेकिन अब इसकी सीमा 2 लाख कर दी गई है। 1 जनवरी से ऑयल मार्केटिंग कंपनियां एलपीजी सिलेंडर की कीमत में भी बदलाव कर सकती हैं। हर महीने की पहली तारीख को ऑयल मार्केटिंग कंपनियां घरेलू और कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों को रिवाइज करती है। इसके बाद कीमतों को घटाया या बढ़ाया जा सकता है। कई बार ऑयल मार्केटिंग कंपनियां कीमतों में बदलाव नहीं भी करती हैं या कई बार किसी एक ही श्रेणी के सिलेंडर की कीमत में बदलाव किया जाता है। हालांकि इसकी ठोस जानकारी कल यानी 1 जनवरी को ही मिलेगी। 1 जनवरी से ही फिक्स डिपॉजिट (एफडी) के नियमों में भी बदलाव होने वाला है। भारतीय रिजर्व बैंक में नॉन बैंकिंग फाइनेंस कंपनियों (एनबीएफसी) के लिए एफडी से जुड़े नियमों में बदलाव किया है। ये बदलाव फिक्स डिपॉजिट में जमा की गई रकम को परिपक्वता की तारीख से पहले ही निकाल लेने से संबंधित है।

स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी का आईपीओ 6 जनवरी को खुलेगा, प्राइस बैंड 133-140 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। आईपीओ के लिए साल 2024 शानदार रहा। निवेशकों को अगले साल के आईपीओ का इंतजार है। इस बीच नए साल में स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 6 जनवरी को निवेशकों के लिए खुलेगा। कंपनी ने इसके लिए मूल्?य का दायरा (प्राइस बैंड) 133-140 रुपये प्रति शेयर तय किया है। शेयरों की लिस्टिंग 13 जनवरी को बीएसई और एनएसई पर होगी।

कंपनी ने जारी एक बयान में बताया कि स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड का आईपीओ 6 जनवरी को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 8 जनवरी, 2025 को बंद होगा। कंपनी ने कहा कि 10 रुपये अंकित मूल्य वाले वाले इस इश्?यू में निवेशक न्यूनतम 107 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 107

इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। बालो को फिर से उगाना अब हुआ संभव 9 सिर्फ यह जड़ीबूटी स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड कंपनी का आईपीओ 410.05 करोड़ रुपये का एक बुक बिल्ट इश्यू है। यह 210 करोड़ रुपये मूल्य वाले 1.50 करोड़ शेयरों का फ्रेश इश्यू और 200.05 करोड़ रुपये के 1.43 करोड़ ऑफर फॉर सेल शेयरों का कॉम्बिनेशन है। कंपनी इस नए निर्गम से प्राप्त 10 करोड़ रुपये का इस्तेमाल मशीनरी और उपकरणों की खरीद, कुछ बकाया उधारों और भुगतान के लिए 130 करोड़ रुपये और इंजीनियरिंग इंडस्ट्री प्राइवेट लिमिटेड में निवेश के लिए 30 करोड़ रुपये तथा 20 करोड़ रुपये सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य के लिए करेगी। उल्लेखनीय है कि स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड भारत में फार्मास्यूटिकल और रासायनिक क्षेत्रों के लिए शीर्ष 5 विशेष इंजीनियरिंग उपकरण निर्माताओं में से एक है। इस कंपनी के पास पूरी उत्पादन प्रक्रिया को इन-हाउस प्रबंधित करने की क्षमता है। कंपनी की हैदराबाद (तेलंगाना) में आठ मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स हैं। यह कंपनी फार्मास्यूटिकल और केमिकल निर्माताओं के लिए डिज़ाइन, इंजीनियरिंग, निर्माण, असेंबली, इंस्टॉलेशन और स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीज़र सहित टर्नकी सॉल्यूशन प्रदान करती है।

जिंदल स्टेनलेस ने कर्मचारियों को ईसॉप्स प्रदान किए

एजेंसी

नई दिल्ली। स्टेनलेस स्टील निर्माता जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड ने वरिष्ठ कर्मचारियों को कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना के तहत कर्मचारी स्टॉक विकल्प (ईसॉप्स) और सीमित स्टॉक यूनिट्स (आरएसयू) में बराबर हिस्सेदारी के माध्यम से रियायती दर पर 12,42,736 स्टॉक विकल्प प्रदान किए हैं।कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि ये स्टॉक विकल्प पिछले साल दिसंबर में कंपनी द्वारा प्रदान किए गए स्टॉक विकल्प के क्रम में दिए गए हैं। प्रदर्शन पर आधारित ये स्टॉक विकल्प चार वर्ष की अवधि के लिए होंगे।कंपनी के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी सुशील बावेजा ने कहा जिंदल स्टेनलेस कर्मचारियों के विकास और सफलता के लिए अवसर सृजित करने को लेकर बहुत

प्रतिबद्ध है। इस तरह की पहल से हम हमारे कर्मचारियों में धन अर्जित करने और स्वामित्व की भावना पैदा करके उन्हें सशक्त बनाते हैं, जिसकी वजह से कर्मचारियों में कंपनी के प्रति अधिक जुड़ाव, उत्साह और निष्ठा बढ़ती है। इससे, बदले में सभी हितधारकों का महत्व बढ़ता है, कंपनी और कर्मचारियों दोनों को एक-दूसरे से लाभ होता है और कंपनी मजबूत होती है। इस पहल का उद्देश्य कर्मचारियों की प्रतिबद्धता और प्रदर्शन के लिए उन्हें पुरस्कृत करना है। इसका एक और मकसद स्वामित्व की भावना पैदा करके, नए प्रतिभाशाली कर्मचारियों को आकर्षित करना और ऐसे मौजूदा कर्मचारियों को बरकरार रखना है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें यथावत

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज यथावत रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति

लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.18 प्रतिशत फिसलकर 70.47 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.01 प्रतिशत उतरकर 74.16 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

कैट वर्ष 2025 को व्यापारी स्वाभिमान वर्ष के रूप में मनाएगा: प्रवीण खंडेलवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने वर्ष 2025 को व्यापारी स्वाभिमान वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। कैट के राष्ट्रीय राष्ट्रीय महामंत्री तथा चांदनी चौक से सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने मंगलावार को कहा कि यह वर्ष व्यापारियों के अधिकारों, देश के आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक विकास में उनके योगदान और उनकी समस्याओं को उजागर करने तथा उनके सम्मान को स्थापित करने के उद्देश्य से समर्पित होगा। खंडेलवाल ने बताया कि आगामी 6-7 जनवरी, 2025 को नई दिल्ली में कैट एक राष्ट्रीय व्यापारी सम्मेलन आयोजित कर रहा है। उन्?होंने कहा कि इस सम्?मेलन में देश के सभी राज्यों के 150 से अधिक प्रमुख व्यापारी नेता शामिल होंगे और व्यापारी स्वाभिमान वर्ष के सभी कार्यक्रमों को अंतिम रूप देंगे। खंडेलवाल ने कहा कि देशभर के 48 हजार से ज्?यादा व्यापारिक संगठन इस बृहद योजना के क्रियान्वयन में जुटेंगे। वहीं, कैट अध्यक्ष बी. सी. भरतिया ने कहा कि देशभर में मअनेक कार्यक्रम होंगे, जिसमें व्यापारियों के अधिकारों और सम्मान के लिए विशेष पहल होगा। दोनों व्यापारी नेताओं ने बताया की प्रारंभिक रूप से व्यापारी स्वाभिमान वर्ष के तहत मुख्य कार्यक्रम की योजना बनाई गई है, जिसमें विभिन्न कार्यक्रम होंगे।

देशव्यापी अभियान :-

-व्यापारियों की समस्याओं को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

-केंद्र और राज्य सरकारों के साथ संवाद कर व्यापारियों के लिए हितकारी नीतियों की मांग की जाएगी।

सम्मान समारोह :-

-देशभर में व्यापारियों के योगदान को मान्यता देने के लिए विशेष सम्मान समारोह आयोजित किए जाएंगे।

-प्रमुख व्यापारियों और संगठनों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा।

संगोष्ठियां और कार्यशालाएं :-

-व्यापारिक ज्ञान और आधुनिक तकनीकों के प्रति जागरुकता बढ़ाने के लिए सेमिनार और कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी।

-डिजिटल व्यापार, जीएसटी, ई-कॉमर्स और अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी।

-व्यापारी मार्च एवं रैलियां

-व्यापारियों के अधिकारों की रक्षा के लिए देश के विभिन्न राज्यों में स्वाभिमान मार्च निकाले जाएंगे।

-व्यापार में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने की मांग की जाएगी।

व्यापारिक संस्कृति को बढ़ावा :-

-स्थानीय और पारंपरिक व्यापार को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष मेले और प्रदर्शनियां आयोजित की जाएंगी।

व्यापारियों का स्वाभिमान होगा सर्वोपरि

प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि कैट व्यापारियों की रीढ़ की हड्डी के रूप में उनकी भूमिका को सशक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। देश के 9 करोड़ से अधिक व्यापारियों को एक मंच पर लाने का यह प्रयास व्यापारिक समुदाय को एक नई दिशा देगा। उन्होंने कहा कि सभी व्यापारी संगठनों, एसोसिएशनों और व्यापारियों से अनुरोध है कि वे इस अभियान का हिस्सा बनें और 2025 को व्यापारी स्वाभिमान वर्ष के रूप में मनाकर अपने अधिकारों और सम्मान की रक्षा करें।

नया यूरोपीय आयात मानक एक जनवरी से होगा प्रभावी

एजेंसी

तेल अवीव। अपनी आयात प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने के लिए इजराइल के अर्थव्यवस्था और उद्योग मंत्रालय ने सैकड़ों आयातकों के बीच किए गए एक व्यापक सर्वेक्षण के परिणाम प्रकाशित किए हैं। यह सर्वेक्षण 'जो यूरोप के लिए अच्छा है वह इजराइल के लिए अच्छा है' बैनर के तहत 01 जनवरी 2025 को प्रभावी होने वाले व्यापक आयात सुधार के कार्यान्वयन की तैयारी में आता है। सर्वेक्षण के अनुसार, बड़ी संख्या में आयातक आने वाले वर्ष की पहली तिमाही में नए सुधार का लाभ उठाने की उम्मीद करते हैं। इस पहल में इजराइल के आयात मानकों को यूरोपीय नियामक प्रथाओं के साथ संरेखित करना शामिल है, जो आम तौर पर इजराइल के मौजूदा प्रोटोकॉल की तुलना में कम कठोर हैं। सुधार का उद्देश्य आयात के लिए योग्य उत्पादों की श्रृंखला का विस्तार करना है, इस कदम से बढ़ती प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलने और इसके बाद इजराइली बाजार में कीमतों में कमी आने की उम्मीद है। मंत्रालय ने बताया कि 400 आयातकों ने सर्वेक्षण में भाग लिया, जिससे सुधार को तुरंत अपनाने के लिए पर्याप्त उत्सुकता का पता चला। अर्थव्यवस्था और उद्योग मंत्री, नीर बरकत ने इस बात पर जोर दिया कि सुधार बाजार प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के साथ-साथ इजराइल की उच्च जीवन लागत का मुकाबला करने में एक महत्वपूर्ण उपाय का प्रतिनिधित्व करता है।

मेट्रो में जिंदा जलाई गई महिला की पुलिस ने की पहचान

न्यूयॉर्क । न्यूयॉर्क शहर में ब्रुकलिन मेट्रो ट्रेन में एक हफ्ते पहले एक महिला को जिंदा जला दिया गया था। पुलिस ने मृतक महिला की पहचान कर ली है। समाचार एजेंसी न्यूयॉर्क टाइम्स के हवाले से बताया कि पुलिस ने महिला की पहचान न्यू जर्सी के टॉम्स रिवर निवासी 61 वर्षीय देब्रिना कावम के रूप में की है। महिला कोनी आइलैंड में एक एफ ट्रेन के दरवाजे के सामने खड़ी थी, उसका शरीर आग की पलटों से घिरा था। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो गया था। जिंदा जलकर महिला की दर्दनाक मौत हो गई थी। कुछ घंटों बाद, देब्रिना कावाम पर हमला करने के आरोपी सेबेस्टियन जैपेटा-कैलिल (33) पर प्रथम श्रेणी की हत्या और आगजनी का आरोप लगाया गया। ब्रुकलिन के जिला अटॉर्नी एरिक गोंजालेज ने पिछले सप्ताह एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए बताया था कि जांचकर्ता महिला की पहचान करने के लिए हर संभव तरीके का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने उसके फिंगरप्रिंट लिए और डीएनए सबूत एकत्र किए थे। उन्होंने सीसीटीवी फुटेज भी एकत्र किए, ताकि आग लगने से पहले महिला के चेहरे की स्पष्ट फोटो मिल सके। उन्होंने कहा था, मेरे लिए, मेरे कार्यालय के लिए, पुलिस विभाग के लिए यह प्राथमिकता है कि इस महिला की पहचान की जाए, ताकि हम उसके परिवार को सूचित कर सकें कि उसके साथ क्या हुआ था।

पाकिस्तानी जनता पर महंगाई की मार, नए साल पर बढ़े पेट्रोल, डीजल के दाम

इस्लामाबाद । पाकिस्तान सरकार ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी का ऐलान किया। 31 दिसंबर की रात जारी एक अधिसूचना के मुताबिक, पेट्रोल की कीमत में 56 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। एआरवाई न्यूज के अनुसार, अब पेट्रोल की नई कीमत 252.66 रुपये प्रति लीटर होगी। इसी तरह, हाई-स्पीड डीजल की कीमत में 2.96 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। अब हाई-स्पीड डीजल की नई कीमत 258.34 रुपये प्रति लीटर होगी। ये बदलाव ईंधन की कीमतों में नियमित बदलाव के तहत किए गए हैं, जो अंतरराष्ट्रीय बाजार और स्थानीय आर्थिक हालात पर निर्भर करते हैं। पाकिस्तान सरकार ने 15 दिसंबर को पेट्रोल और डीजल की नई कीमतों का ऐलान किया। जानकारी के मुताबिक, पेट्रोल की कीमत 252.10 रुपये प्रति लीटर पर बनी हुई है। वहीं, हाई-स्पीड डीजल की कीमत में 3.05 रुपये प्रति लीटर की कमी आई है और अब इसकी नई कीमत 255.38 रुपये प्रति लीटर है। इसके अलावा, केरोसिन तेल की कीमत में 3.32 रुपये प्रति लीटर की कमी आई है और अब इसकी नई कीमत 161.66 रुपये प्रति लीटर है। लाइट डीजल तेल की कीमत में भी 2.78 रुपये प्रति लीटर की कमी हुई है और नई कीमत 148.95 रुपये प्रति लीटर तय की गई है।

संसद को भंग करने से समाधान के बजाय विभाजन बढ़ा : राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों

पेरिस । फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने स्वीकार किया कि जून में फ्रांसीसी नेशनल असेंबली को भंग करने से समाधान के बजाय विभाजन अधिक पैदा हुआ। राष्ट्रपति मैक्रों ने नववर्ष की पूर्वसंध्या पर कहा, इस विघटन का उद्देश्य फ्रांसीसी लोगों को उनकी आवाज वापस देना और स्थिति को साफ करना था, लेकिन समझ और विनम्रता यह मांग करती है कि हमें यह मानना चाहिए कि इस फैसले से शांति की बजाय ज्यादा अस्थिरता हुई है और मैं इसकी पूरी जिम्मेदारी लेता हूं। समाचार एजेंसीकी रिपोर्ट के अनुसार, जून में यूरोपीय चुनावों में दक्षिणपंथी गठबंधन के हारने के बाद मैक्रों ने संसद भंग कर दी थी। उन्होंने संसदीय चुनावों की घोषणा की, जिसके परिणामस्वरूप संसद में अस्थिरता आई और प्रधानमंत्री गेब्रियल एटल को इस्तीफा देना पड़ा। मिशेल बार्नियर ने एटल का स्थान लिया, लेकिन 4 दिसंबर को अविश्वास प्रस्ताव में उन्हें हटा दिया गया।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने नए साल के संदेश भी 'कश्मीर' का राग अलापा

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने राष्ट्र के नाम संबोधन में 2025 में भूख, गरीबी, युद्ध, आतंकवाद, अपराध, संप्रदायवाद और वर्ग विभाजन से मुक्त दुनिया की आशा व्यक्त करते हुए पाकिस्तान के लोगों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मगर इस मौके पर शरीफ %कश्मीर% का राग अलापना नहीं भूले। जियो न्यूज के अनुसार, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि मध्य पूर्व और भारत के अवैध कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में चल रहे अत्याचारों के मामले में पिछला साल सबसे खराब रहा। उन्होंने उम्मीद जताई कि मध्य पूर्व संकट और कश्मीर मुद्दे का इस साल शांतिपूर्ण समाधान हो जाएगा। उन्होंने कहा, %%हमारे उत्पीड़ित

भाइयों और बहनों को भारतीय कब्जे वाली ताकतों की क्रूरता का सामना करना पड़ा। अपने संदेश में शहबाज ने राष्ट्र से 2025 में एक बेहतर और मजबूत पाकिस्तान के लिए सामूहिक रूप से प्रयास करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि 'मैं प्रार्थना करता हूं कि 2025 का सूरज हमारे देश पाकिस्तान के लिए प्रगति और समृद्धि के वादे के साथ उगेगा। मैं यह भी प्रार्थना करता हूं कि नए साल में हम पिछले साल में की गई अपनी व्यक्तिगत और सामूहिक गलतियों को सुधारें और एक नई शुरुआत करें और एक नए उज्ज्वल भविष्य की शुरुआत करें। राष्ट्रपति जरदारी ने नागरिकों से पिछले वर्ष की सफलताओं और कमियों पर चिंतन करने और उनसे सीखने और बेहतर भविष्य की दिशा में काम करने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने राष्ट्र की गंभीर चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक सिद्धांतों के रूप में एकता, अनुशासन और कड़ी मेहनत के महत्व पर जोर दिया। राष्ट्रपति ने देश के युवाओं में निवेश के महत्व पर भी प्रकाश डाला और उन्हें पाकिस्तान के भविष्य की नींव बताया।

बिलावल भुट्टो के 2025 में पाकिस्तान का प्रधानमंत्री बनने की भविष्यवाणी

एजेंसी

इस्लामाबाद। ज्योतिषियों के दावों पर यकीन किया जाए तो पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी के लिए यह साल (2025) बड़ी सौगात देने जा रहा है। एक प्रसिद्ध ज्योतिषी ने मुल्क के अगले प्रधानमंत्री के रूप में उनके नाम की भविष्यवाणी की है। एआरवाई न्यूज चैनल के कार्यक्रम 'खबर' में ज्योतिषी सामिया खान ने यह भविष्यवाणी की। उन्होंने दावा किया कि पीपीपी अध्यक्ष बिलावल भुट्टो 2025 में प्रधानमंत्री और दूल्हा दोनों बन सकते हैं। सामिया खान ने कहा कि यह साल शहबाज शरीफ, मौलाना फजलुर रहमान और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान के लिए यह साल अच्छा होगा। उन्होंने कहा इस साल मुल्क की स्थिति में सुधार होता दिख रहा है। साल के शुरुआती महीने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के लिए फायदेमंद रहने की उम्मीद है। बिलावल भुट्टो के के राजनीतिक सितारे बहुत मजबूत हैं। यह संभव है कि उन्हें प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्त किया जा सकता है। यहां तक ??कि वह दूल्हा भी बन सकते हैं। उल्लेखनीय है कि 21 सितंबर 1988 को कराची में जन्मे बिलावल पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो के पुत्र हैं। 27 दिसंबर, 2007 को बेनजीर की हत्या के बाद पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी की कमान उनके हाथ में है। वह बेनजीर भुट्टो और पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी की सबसे बड़ी संतान और इकलौते बेटे हैं। उन्होंने दुबई के राशिद स्कूल फॉर बॉयज से पढ़ाई की और ताइक्कांडो में ब्लैक बेल्ट भी प्राप्त किया। उन्होंने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के क्राइस्ट चर्च से इतिहास और राजनीति की पढ़ाई की है। बिलावल को उनके दादा हकीम अली जरदारी के निधन के बाद मई 2011 में जरदारी जनजाति का तुमंदर (प्रमुख) भी घोषित किया गया था।

जिम्बाब्वे ने मृत्युदंड को किया समाप्त, राष्ट्रपति मनांगाग्वा ने कानून को दी मंजूरी

एजेंसी

हरारे। जिम्बाब्वे ने मृत्युदंड को समाप्त कर दिया है, यह उस देश में व्यापक रूप से अपेक्षित कदम था जिसने लगभग दो दशक पहले आखिरी बार यह सजा दी थी। 1960 के दशक में स्वतंत्रता संग्राम के दौरान राष्ट्रपति एमर्सन मनांगाग्वा को एक बार खुद मौत की सज़ा का सामना करना पड़ा था। संसद से एक विधेयक पारित होने के बाद राष्ट्रपति मनांगाम्वा ने इस सप्ताह कानून को मंजूरी दी। जिम्बाब्वे में लगभग 60 कैदी मौत की सजा पर हैं, और नए कानून से उन्हें राहत मिली है। देश ने आखिरी बार दो दशक पूर्व वर्ष 2005 में किसी को फांसी दी थी। मृत्युदंड के खिलाफ अभियान चलाने वाले मानवाधिकार समूह के अनुसार, अन्य अफ्रीकी देशों जैसे केन्या, लाइबेरिया और घाना ने भी हाल ही में

मृत्युदंड को खत्म करने की दिशा में सकारात्मक कदम उठाए हैं। हालांकि अभी तक इसे कानून में शामिल नहीं किया गया है।

रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने देशवासियों से कहा- हमें अभी बहुत कुछ तय करना है

एजेंसी

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने नए वर्ष की पूर्व संध्या पर टेलीविजन पर देशवासियों को संबोधित किया। क्रेमलिन प्रमुख ने कहा, हां, हमें अभी भी बहुत कुछ तय करना है लेकिन जो पहले किया जा चुका है उस पर हमें गर्व हो सकता है। उन्होंने कहा कि 25 वर्षों ने आगे के विकास का मार्ग प्रशस्त किया है। द मॉस्को टाइम्स के अनुसार, पुतिन ने अपने भाषण में देश की उपलब्धियों की प्रशंसा की। अपने पूर्ववर्ती बोरिस येल्तसिन से सत्ता संभालने के ठीक 25 साल बाद दिए गए संबोधन में पुतिन ने यूक्रेन युद्ध का स्पष्ट उल्लेख नहीं किया। उनका भाषण मुख्य रूप से शुभकामनाओं पर केंद्रित रहा।

पुतिन ने कहा, प्रिय दोस्तों, बस कुछ ही मिनटों में 2025 की शुरुआत होगी, जो 21वीं सदी की पहली तिमाही को पूरा करेगा। उन्होंने रूसी सैनिकों की भी प्रशंसा की। पुतिन ने कहा, नए साल की दहलीज पर हम भविष्य के बारे में सोच रहे हैं। हमें यकीन है कि सब कुछ ठीक हो जाएगा। हम केवल आगे बढ़ेंगे। उल्लेखनीय है कि 1999 में नए साल की पूर्व संध्या पर बोरिस येल्तसिन ने अप्रत्याशित रूप से इस्तीफा दे दिया था और अपने भाषण में देश में उथल-पुथल के लिए माफी मांगी थी।

तब पुतिन को कार्यवाहक राष्ट्रपति नामित किया गया था। टेलीविजन पर नए साल की पूर्व संध्या पर दिया जाने वाला भाषण सोवियत नेता लियोनिद ब्रेझनेव द्वारा शुरू की गई परंपरा का अनुसरण है। यह रूस के 11 समय क्षेत्रों में से प्रत्येक में आधी रात से ठीक पहले राज्य टीवी पर प्रसारित किया जाता है।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति येओल पर लटकी गिरफ्तारी की तलवार

एजेंसी

सियोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल के सिर पर गिरफ्तारी की तलवार लटक गई है। जांच एजेंसी ने उन्हें छह जनवरी से पहले हर हाल में गिरफ्तार करने की तैयारी कर ली है। सियोल वेस्टर्न डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने येओल को गिरफ्तार करने का वारंट जारी कर दिया है। यह वारंट भ्रष्टाचार जांच कार्यालय को मिल चुका है। वारंट की मियाद छह जनवरी को खत्म हो जाएगी। इस बीच राष्ट्रपति के चीफ ऑफ स्टाफ और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने इस्तीफा देने की पेशकश की है द कोरिया हेराल्ड समाचार पत्र के अनुसार, येओल के विद्रोह और सत्ता के दुरुपयोग के मामले की जांच भ्रष्टाचार जांच कार्यालय कर रहा है। इस कार्यालय के प्रमुख ओह डोंग-वून ने बुधवार को पत्रकारों से कहा कि येओल की गिरफ्तारी वारंट की मियाद खत्म होने से पहले कर ली जाएगी। उन्होंने कहा कि अगर राष्ट्रपति की सुरक्षा टीम

सहयोग नहीं करती तो उसके विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी। वून ने कहा कि कार्यालय ने राष्ट्रपति के सुरक्षा अधिकारियों से गिरफ्तारी में सहयोग करने का अनुरोध किया है। ओह ने चेतावनी दी कि गिरफ्तारी में हस्तक्षेप करने वालों पर सत्ता के दुरुपयोग और सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोपों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति आवास का दरवाजा खोलने से इनकार करना, गेट पर ताला लगाना, बैरिकेड लगाना और गिरफ्तारी आदेश का पालन न करना भी सरकारी कार्य में बाधा डालना है। द कोरिया टाइम्स के अनुसार वारंट जारी होने के बाद राष्ट्रपति के चीफ ऑफ स्टाफ चुंग जिन-सुक और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शिन वोन-सिक ने बुधवार को इस्तीफा देने की पेशकश की है।

कराची में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर किया बल प्रयोग, 11 घायल

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कराची में पुलिस ने धरने पर बैठे प्रदर्शनकारियों पर कल बल प्रयोग किया। इस दौरान कम से कम 11 लोग घायल हो गए। इनमें छह पुलिस जवान भी शामिल हैं। प्रदर्शनकारियों ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कुर्रम जिले में स्थित पाराचिनार में हाल ही में हुई हत्याओं के खिलाफ विरोध जताया है। डॉन समाचार पत्र के अनुसार, धार्मिक और राजनीतिक संगठन मजलिस वहदत-ए-मुस्लिमीन (एमडब्ल्यूएम) ने पाराचिनार के लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए देशव्यापी विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। संगठन के आह्वान पर देशभर में 20 दिसंबर से धरना और प्रदर्शन जारी है। सड़कें बंद कर दी गई हैं। प्रदर्शनकारी कुर्रम में जारी हिंसा के साथ-साथ उस घटना का भी विरोध कर रहे हैं जिसमें जिले के बागान इलाके में पाराचिनार की ओर जाते समय रास्ते में दो लोगों की हत्या कर दी गई और बाद में उनका सिर काट दिया गया।

एमडब्ल्यूएम के प्रवक्ता सैयद अली अहमर जैदी ने आरोप लगाया कि पुलिस ने अब्बास टाउन, पावर हाउस और कामरान चौरंगी सहित 10 स्थानों पर आंसू गैस के गोले दागे और लाठीचार्ज किया। उन्होंने कहा, बावजूद इसके तीन स्थानों नुमाइश चौरंगी, एंचोली और रिजविया सोसाइटी में धरना जारी है। उन्होंने पुलिस कार्रवाई की निंदा की है। उधर, पुलिस के बल प्रयोग की सूचना मिलते ही मालिर में मुख्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी हिंसा भड़क उठी। यहां पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प होने की खबर है। पुलिस अधिकारी डॉ. सुम्मैया सैयद ने कहा कि चार घायलों को मालिर से जिन्ना पोस्टग्रेजुएट मेडिकल सेंटर लाया गया। उनमें से एक की हालत गंभीर है। इस व्यक्ति के सिर में गोली लगी है।

पाकिस्तान ने ईरान से निर्वासित 10 हजार से अधिक नागरिकों के पासपोर्ट ब्लॉक किए

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने अपने 10 हजार से अधिक ऐसे नागरिकों के पासपोर्ट ब्लॉक कर दिए हैं, जो ईरान से निष्कासित किए गए थे। ये लोग यूरोप में अवैध रूप से प्रवेश करने के लिए ईरान का इस्तेमाल करते हुए पकड़े गए थे।

यह कदम देश में अवैध मानव तस्करों के खिलाफ सरकार की कार्रवाई के तहत उठाया गया है। हाल ही में ग्रीक के समुद्री क्षेत्र में एक नाव पलटने से 40 से अधिक पाकिस्तानी नागरिकों की मौत के बाद सरकार एक्शन में आई है। पाकिस्तान के गृह मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, 10,454 व्यक्तियों के पासपोर्ट ब्लॉक कर दिए गए हैं, जिन्हें ईरानी अधिकारियों ने उनके क्षेत्र में अवैध रूप से प्रवेश करने के लिए गिरफ्तार किया था। मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि इन व्यक्तियों ने पाकिस्तान के बलूचिस्तान और

उसकी असुरक्षित सीमाओं से ईरान में प्रवेश करने की कोशिश की थी। उनका अंतिम लक्ष्य यूरोप था। इन्हें पाकिस्तान और ईरान के स्थानीय तस्करों द्वारा भेजा जा रहा था। उनके संपर्क यूरोप में अवैध रूप से पहुंचने में मदद करने के लिए पहले से इंतजार कर रहे थे। गिरफ्तारी के बाद इन लोगों को बलूचिस्तान के छगाई जिले में तफ्तान सीमा पर पाकिस्तानी अधिकारियों को सौंप दिया गया। इन गिरफ्तारियों से यह चिंताजनक तथ्य सामने आता है कि पाकिस्तान से ईरान के रास्ते यूरोप जाने के लिए अवैध तरीकों का इस्तेमाल करने की इच्छा रखने वाले लोगों की संख्या कितनी अधिक है। गृह मंत्रालय ने पुष्टि की है कि वह अन्य देशों से गिरफ्तार और निष्कासित किए गए हजारों व्यक्तियों के पासपोर्ट भी ब्लॉक करने की प्रक्रिया में है। सूत्रों के अनुसार, पहले ही संयुक्त अरब अमीरात में नशीले पदार्थों से जुड़े अपराधों में शामिल 2,470 व्यक्तियों के पासपोर्ट ब्लॉक किए जा चुके हैं, जबकि इराक से निष्कासित 1,500 व्यक्तियों के पासपोर्ट और सऊदी अरब में हिरासत में लिए गए चार हजार से अधिक व्यक्तियों के पासपोर्ट भी ब्लॉक किए गए हैं। इन व्यक्तियों में से अधिकांश पाकिस्तान के पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा प्रांत से हैं।

नेपाल–भारत के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास सूर्य किरण शुरू

एजेंसी

काठमांडू। नेपाली सेना और भारतीय सेना के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास सूर्य किरण का 18वां संस्करण आज 31 दिसंबर, 2024 को शुरू हुआ। रुपन्देही जिले के सलझंडी में नेपाली आर्मी बैटल स्कूल में मिड-वेस्टर्न डिवीजन कमांडर मेजर जनरल प्रेम बहादुर पुन ने औपचारिक समारोह के दौरान इस अभ्यास का उद्घाटन किया। इस अभ्यास में लेफ्टिनेंट कर्नल निरजन कटवाल के नेतृत्व में नेपाली सेना के 668 कर्मियों और कर्नल जपेंद्र पाल सिंह के नेतृत्व में भारतीय सेना के 668 कर्मियों की सहभागिता है। संयुक्त अभ्यास 13 जनवरी, 2025 को समाप्त होगा। सूर्य किरण अभ्यास का 17वां संस्करण पिछले साल पिथौरागढ़, भारत में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ था। 2011 में अपनी स्थापना के बाद से, यह अभ्यास नेपाल और भारत में पारस्परिक आधार पर सालाना आयोजित किया गया है, जो अब तक 17 सफल

संस्करणों को पूरा कर रहा है।

यह अभ्यास मुख्य रूप से आतंकवाद विरोधी, आतंकवाद विरोधी, मानवीय सहायता और आपदा प्रतिक्रिया अभियानों पर केंद्रित है। प्रतिभागी इन क्षेत्रों में आपसी सहयोग और समन्वय बढ़ाने के लिए अपनी विशेषज्ञता और अनुभवों को साझा करेंगे। नेपाली सेना का मानना है कि इस तरह के संयुक्त सैन्य अभ्यास न केवल दोनों देशों के बीच लंबे समय से मैत्रीपूर्ण संबंधों को मजबूत करते हैं बल्कि दोनों सेनाओं के बीच पेशेवर कौशल और आपसी समझ को बढ़ाने में भी योगदान देते हैं।

उत्तर कोरिया बना रहा चार हजार टन वजनी युद्धपोत, खतरनाक मिसाइलों से होगा लैस : सोल

एजेंसी

सोल । उत्तर कोरिया ने एक चार हजार टन वजनी फ्रिगेट का निर्माण शुरू किया है। यह वर्टिकल लॉन्चिंग सिस्टम से लैस है। दक्षिण कोरिया की सेना के अनुसार, प्योंगयांग अपने परमाणु और मिसाइल हथियारों को आगे बढ़ाना चाहता है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने किम जोंग-उन की एक शिपयार्ड का दौरा करने के दौरान की तस्वीरें शेयर की थीं, जहां नए युद्धपोत का निर्माण किया जा रहा है। इसके एक दिन बाद यह आकलन सामने आया है। उत्तर कोरिया के पश्चिमी बंदरगाह शहर का जिक्र करते हुए एक सैन्य अधिकारी ने कहा, उत्तर कोरिया नैम्फो में 4 हजार टन का फ्रिगेट बना रहा है। जहाज के आकार से, यह अनुमान लगाया जा रहा है कि यह (जहाज से जमीन पर मार करने वाली) मिसाइल ले जाने में सक्षम है। हालांकि, अधिकारी ने कहा कि उत्तर कोरिया को इस पोत का निर्माण पूरा करने में कई साल लग सकते हैं। पोत को परिचालन के लिए तैनात करने में 10 साल से ज्यादा का समय लग सकता है। उत्तर कोरिया का अब तक का सबसे बड़ा जहाज 1,500 टन का फ्रिगेट है, जो जहाज से जहाज पर मार करने वाली मिसाइल से लैस है। इसमें वर्टिकल लॉन्चिंग सिस्टम नहीं है।

श्रीलंका के सरकारी विभागों पर साइबर हमले

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका के कई सरकारी संस्थानों को साइबर हमलों का सामना करना पड़ा है। एक पुलिस प्रवक्ता ने स्थानीय मीडिया को यह जानकारी दी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) के.बी. मन थुंगा ने कहा कि श्रीलंका पुलिस विभाग का आधिकारिक यूट्यूब चैनल हैक कर लिया गया है। मन थुंगा ने कहा कि श्रीलंका सरकार के प्रिंटिंग डिपार्टमेंट की आधिकारिक वेबसाइट को भी हैक कर लिया गया है और उसके डाटा में बदलाव किया गया है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, उन्होंने कहा कि श्रीलंका कंप्यूटर आपातकालीन तत्परता टीम (एसएलसीईआरटी) और पुलिस वर्तमान में साइबर हमलों की जांच कर रही है। एसएलसीईआरटी ने पिछले सप्ताह चेतावनी दी थी कि सरकारी वेबसाइटें हमलों के प्रति संवेदनशील हैं और कहा कि वह

साइबर हमलों से निपटने के लिए सरकारी कर्मचारियों को शिक्षित करने के लिए कई कार्यक्रम चलाने की योजना बना रहा है। एक सरकारी प्रवक्ता ने घोषणा की कि श्रीलंका के मंत्रिपरिषद ने सोमवार को राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के उस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी, जिसमें सार्वजनिक संस्थानों के अंदर जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए हर मंत्रालय में जांच इकाइयां स्थापित करने का प्रस्ताव है। कोलंबो में पत्रकारों से बात करते हुए, कैबिनेट प्रवक्ता और स्वास्थ्य और मास मीडिया मंत्री नलिंडा जयतिसा ने कहा कि सरकारी संस्थानों में अनियमितताओं के बारे में कई शिकायतें मिली हैं। जयतिसा ने बताया कि इन चिंताओं को दूर करने और सार्वजनिक सेवा को बढ़ाने के लिए, कैबिनेट ने ऐसी शिकायतों की निष्पक्ष और व्यवस्थित जांच करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि स्वीकृत प्रस्ताव में मंत्री स्तर पर जांच इकाइयों की स्थापना की बात कही गई है, जिनमें से प्रत्येक का नेतृत्व व्यापक सेवा अनुभव और जांच में पूर्व भागीदारी वाले एक वरिष्ठ कार्यकारी-ग्रेड सरकारी अधिकारी द्वारा किया जाएगा। जयतिसा के अनुसार, ये अधिकारी पिछले प्रशासनों के तहत राज्य संस्थानों के संचालन की जांच करेंगे और चल रही सार्वजनिक शिकायतों का समाधान करेंगे।

जाड़ा, गर्मी और बरसाती खीरा की आधुनिक खेती जानकारी

क्या आप अपनी खीरे की खेती को अगले स्तर पर ले जाने में रुचि रखते हैं? यदि हां, तो खेती की प्रक्रिया को वैज्ञानिक तरीके से अपनाना महत्वपूर्ण है।

चाहे आप संकर खीरे या देशी खीरे की खेती करना चाह रहे हों, यह लेख आपको आवश्यक सभी जानकारी प्रदान करेगा। खीरे की खेती की मूल बातें समझने से लेकर उन्नत कृषि तकनीकों की खोज तक, हम यह सब कवर करेंगे।

बरसाती खीरा की खेती
देसी खीरा की खेती
हाइब्रिड खीरा की खेती

इसलिए यदि आप खीरे की खेती में विशेषज्ञ बनना चाहते हैं और इसके आकर्षक अवसरों का लाभ उठाना चाहते हैं तो अंत तक पढ़ते रहें।

भारत में खीरा एक महत्वपूर्ण और फायदेमंद कृषि फसल है, जो पूरे देश में उगाया जाता है। हालाँकि पहले लोगों ने सोचा था कि खीरे की खेती केवल गर्मियों में ही संभव है, आज की तकनीक और जलवायु बदलते मौसम ने दिखाया है कि वर्षा, शीतकाल और बसंत-ग्रीष्म जैसे समय पर भी खीरे की खेती की जा सकती है।

खेत में खीरे को उगाने का सही समय चुनना बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे फसल की गुणवत्ता और उत्पादकता पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है।

खीरे की वैज्ञानिक खेती में इसे 60 से 80 दिनों में जीवनकाल पूरा होता है, इसलिए इसे छोटी फसल कहा जाता है। यह खासकर उन किसानों के लिए अच्छा है जो जल्दी उत्पादन करके अपना निवेश वापस करना चाहते हैं।

खीरा खाने में स्वादिष्ट होता है और बहुत पौष्टिक है।

इसमें प्रोटीन, विटामिन ए, आयरन और कार्बोहाइड्रेट होते हैं, जो पाचन शक्ति को बढ़ाते हैं। खेत में इस समय पर्याप्त पानी होता है, इसलिए खीरे की फसल अधिक प्राप्त होती है, विशेष रूप से वर्षा ऋतु में। इसलिए, खीरे की खेती के लिए यह समय सबसे अच्छा रहता है और किसानों को अधिक मुनाफा मिलता है।

खीरे की खेती में सफलता पाने के लिए समयबद्ध रूप से खेती की तैयारी करनी चाहिए. इसमें सही बीज का चयन, उचित बीज बोने की प्रक्रिया, खेत में उर्वरकों का सही उपयोग और उचित जलवायु का ध्यान देना चाहिए। एक विशेषज्ञ किसान के रूप में, यही जानकारी किसानों को उनके खेतों में खीरे की सफल खेती करने में मदद करती है।

खीरे की आधुनिक खेती कैसी करें?

खीरे की आधुनिक खेती करने के लिए विज्ञानिक तरीके का प्रयोग करना

महत्वपूर्ण है जिससे खीरे की उत्पादनता और गुणवत्ता में सुधार हो सके।

आजकल खीरे की खेती के लिए ग्रीनहाउस और पॉलीहाउस के सहायता से खेती का अधिकतम उत्पादन संभव हो रहा है। इससे खीरे की खेती को कम जगह पर भी उत्तर्तीत प्रदर्शन करने में सक्षम है और खीरा फसल को 2 से 4 दिनों तक भंडारण कर सकते हैं। पंजाब, झारखंड, उत्तर प्रदेश, और महाराष्ट्र में खीरे की खेती की बहुत अच्छी मांग है।

खीरे की आधुनिक खेती को शुरू करने के लिए निम्नलिखित जानकारी ध्यान में रखें

1. भूमि चयन- खीरे की खेती के लिए मिट्टी के चयन में ध्यान देना अत्यंत महत्वपूर्ण है। खीरी की उन्नत खेती के लिए लोम (लोम) और सैंडी लोम (बालूई लोम) भूमि अधिक उपयुक्त होती है। भूमि का उपयुक्त और सही उच्चता पर्वतीय क्षेत्रों में भी खीरे की खेती का उत्तर्तीत उत्पादन कर सकते हैं।

2. बीज चुनाव-आधुनिक खेती के लिए उच्च उत्पादकता और उत्तम गुणवत्ता वाले बीजों का चयन करें। वैज्ञानिक अध्ययन और खेती के विशेषज्ञों से परामर्श करके उच्च उपजाऊ वार्षिक या हाइब्रिड बीजों को चुनें।

3. जलवायु विवेचना- खीरे की खेती के लिए उच्च तापमान और नियमित बरसाती वर्षा आवश्यक होती है। खीरे की फसल बढ़ने के लिए 13-18 डिग्री सेल्सियस तापमान अनुकूल होता है और पौधों को विकसित होने के लिए 18-24 डिग्री सेल्सियस तापमान अधिक उपयुक्त होता है।

4. प्रकृतिक खाद- खीरे की उन्नत खेती में कार्बनिक खाद का प्रयोग करना फायदेमंद होता है। खेत की तैयारी के समय खेत में सड़े हुए गोबर को मिश्रण में डालने के साथ ही खेत में 40-50 किलोग्राम नाइट्रोजन, 70 किलोग्राम पोटाश, और 60 किलोग्राम फॉस्फोरस जैसे महत्वपूर्ण तत्वों को डालकर उपजाऊ खेती को प्रोत्साहित किया जा सकता है।

5. समयबद्ध बीज बोना- बीज बोने का सही समय चयन खेती के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। खेत में बीजों को एक सेंटीमीटर गहराई में बोना जाता है। पौधे फैलने के बीच में 50-100 सेंटीमीटर की दूरी रखना भी उत्तर्तीत उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण होता है।

6. प्रबंधन और देखभाल-- खीरे की खेती में सफलता प्राप्त करने के लिए नियमित रूप से प्रबंधन और देखभाल करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। खेत में अशुद्धि, कीटाणु, और रोगों का नियंत्रण करने के लिए उचित कीटनाशकों का उपयोग करें। नियमित जल सिंचाई, कीटनाशकों के उपयोग का प्रबंधन, और अच्छे फसली देखभाल के माध्यम से उच्च उत्पादन को सुनिश्चित करें।

खीरे की आधुनिक खेती के इन विज्ञानिक तरीकों का प्रयोग करके, आप अपने खेत में उत्तर्तीत खीरे की उच्च उत्पादनता का लाभ उठा सकते हैं और इससे अधिक मुनाफा कमा सकते हैं। विशेषज्ञों द्वारा सलाह लेना और नवीनतम खेती तकनीकों का अनुसरण करना खीरे की आधुनिक खेती को सफल बनाने में मदद कर सकता है।

खीरे की खेती के लिए जलवायु कैसा होना चाहिए? खीरे की खेती के लिए उपयुक्त जलवायु का महत्वपूर्ण रूप से ध्यान रखना आवश्यक होता है। खीरे की फसल शीतोषण (गर्मियों) और समशीतोषण (बरसाती) दोनों प्रकार के जलवायु में उगाई जा सकती है।

खीरे के पौधों को फूलने के लिए उचित तापमान की आवश्यकता होती है। खीरे के फूलने के लिए 13 से 18 डिग्री सेल्सियस तक का तापमान अनुकूल होता है।

इस प्रकार के तापमान में पौधों के विकास को संतुलित रूप से समर्थित किया जा सकता है। पौधों के बढ़ने के लिए आवश्यक तापमान 18 से 24 डिग्री सेल्सियस तक होता है। इसलिए, उच्च उत्पादन के लिए यह तापमान उचित होता है।

खीरे की खेती के लिए भूमि का चयन भी महत्वपूर्ण है। खेती के लिए सभी तरह की मिट्टी में खीरे की खेती की जा सकती है, लेकिन लोम (दोमट) और सैंडी लोम (बालूई दोमट) भूमि खीरे की उन्नत खेती के लिए उत्तम होती हैं।

इन मिट्टी के लिए पानी के संचयन की क्षमता अधिक होती है जिससे पौधों को उचित पोषण मिलता है। खीरे की खेती के लिए नदियों के फूटहिल्स (पहाड़ी क्षेत्र) भी अच्छे से उपयुक्त होते हैं।

आधुनिक खेती में खीरे की खेत के लिए जमीन में पानी निकलने का रास्ता होना भी आवश्यक है। खेत में पानी की भराई न होना चाहिए, वरना पौधों का विकास प्रभावित हो सकता है और उत्पादकता कम हो सकती है। समय-समय पर सुरक्षित और पर्याप्त सिंचाई का प्रबंधन करके उच्च उत्पादकता के लिए सही जलवायु विशेषज्ञों से सलाह लेना आवश्यक होता है।

इस रूप में, खीरे की खेती के लिए उचित जलवायु का चयन करना महत्वपूर्ण है जिससे पौधों को उत्तर्तीत विकास के लिए उचित माहौल मिले और खीरे की उच्च उत्पादकता संभव हो।

देसी खीरा की खेती के लिए बीज का चुनाव और खेत की तैयारी कैसे करें?

जापानी लौंग ग्रीन
स्ट्रेट एट
हिमांगी
पोइनसट
जोवईंट सेट.

देसी खीरे की खेती के लिए उचित बीज का चुनाव और खेत की तैयारी बहुत महत्वपूर्ण होते हैं। यहां, आपको इन दोनों विषयों पर विस्तृत जानकारी दी जाएगी-

देसी खीरा की खेती के लिए बीज का चुनाव

1. देसी खीरा- देसी खीरा बीज का चयन करने के लिए आपको स्थानीय किसानों और प्राकृतिक बीजों के बीज विक्रेताओं के साथ संपर्क करना चाहिए। देसी खीरा विविधता में होता है और स्थानीय क्षेत्रों में अच्छे रूप से उगता है। इससे न केवल खेती के लिए उचित प्रकृतिक संकेत मिलते हैं, बल्कि आप एक स्थानीय जीवन पद्धति को समर्थन करने में भी मदद करते हैं।

2. हाइब्रिड खीरा- हाइब्रिड खीरे के बीजों का चयन करते समय आपको उन्नत जीवनशैली और उच्च उत्पादकता की दृष्टि से चयन करना चाहिए। हाइब्रिड बीज उच्च उत्पादकता और विषमता के लिए विख्यात होते हैं। इन बीजों का चयन करते समय बीजों के विशेषज्ञों से सलाह लेना उचित होता है। इसके लिए कृषि विज्ञान के संशोधन संस्थानों या कृषि विशेषज्ञों की सलाह लेना भी आवश्यक होता है।

खेत की तैयारी

1. जमीन का चयन- खेती के लिए समृद्ध और उपयुक्त जमीन का चयन करना महत्वपूर्ण है। खीरे की खेती के लिए लोम और सैंडी लोम भूमि उच्च उत्पादकता के लिए उत्तम मानी जाती हैं। इन भूमियों में पानी के संचयन की क्षमता अधिक होती है जिससे पौधों को उचित पोषण मिलता है। इसके लिए जलवायु विशेषज्ञों से सलाह लेना आवश्यक होता है।

2. जुताई का काम- खेत की तैयारी में जुताई का काम महत्वपूर्ण होता है। जुताई के लिए सबसे पहले भूमि को पलटने वाले हल से अच्छे से जुताई करें। जुताई के लिए 2 से 3 बार समान्य हल या कल्टीवेटर का उपयोग करें ताकि भूमि उचित रूप से तैयार हो सके। आखरी जुताई के बाद, खेत में 200 से 300 क्विंटल जैविक खाद (सड़े हुए गोबर) डालने से पौधों को उचित पोषण मिलता है। इसके अलावा, 40 से 50 किलोग्राम नाइट्रोजन, 70 किलोग्राम पोटाश, 60 किलोग्राम फास्फोरस जैसे तत्वों को खेत तैयार करते समय डालें।

3. नालियों का बनाना- खेत में पानी निकलने के लिए नालियाँ बनाना भी महत्वपूर्ण होता है। खेत में पानी जमा नहीं होना चाहिए, वरना पौधों का विकास प्रभावित हो सकता है और उत्पादकता कम हो सकती है। समय-समय पर सुरक्षित और पर्याप्त सिंचाई का प्रबंधन करने से उच्च उत्पादकता होती है।

इस रूप में, देसी खीरा की खेती के लिए उचित बीज का चयन और खेत की तैयारी करना खेती में उच्च उत्पादकता के लिए महत्वपूर्ण है। उपरोक्त सलाहों का पालन करके आप एक सफल खीरे की खेती शुरू कर सकते हैं।

खीरा लगाने का सही समय क्या है?

खेती करने की लिए हमें यह जानना बहुत ही ज़रूरी होता है, कि हमें अपने खेतो में कितने quantity में बीजो को लाए तथा किस वक्त लगाये ताकी हम अच्छे फसल की production कर सकें.

खीरा लगाने का सही समय

खीरा एक महत्वपूर्ण सब्जी है और इसकी खेती का सही समय चुनना अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। खीरे को दो विभिन्न मौसमों में बोए जा सकता है-

गर्मी फसल- खीरा की गर्मी में फसल को जनवरी से मार्च के बीच बोया जा सकता है।

बरसाती फसल- खीरा की बरसाती मौसम में फसल को जून से जुलाई के दौरान बोया जा सकता है।

बीज की बोवाई और दूरी

बीज दर- हर हेक्टेयर भूमि के लिए कम से कम 2 से 3 किलोग्राम खीरे के बीजों की आवश्यकता होती है।

पौधों की दूरी- खीरे के पौधे फैलते हैं, इसलिए अच्छी फसल के

लिए बोते जाने वाले बीजों की आपसी दूरी कम से कम 50 से 100 सेंटीमीटर होनी चाहिए।

पंक्ति की दूरी- खीरे की खेती करते समय खेत में पंक्तियां बनाने के लिए पंक्तियों के बीच की दूरी कम से कम 150 सेंटीमीटर होनी चाहिए।

बीज की गहराई- खीरे के बीजों को भूमि में 1 सेंटीमीटर की गहराई में बोना जाना चाहिए।

खाद / उर्वरक

जैविक उर्वरक- खीरे की खेती में जैविक उर्वरक का उपयोग करने से आप बेहतर उत्पादन की उम्मीद कर सकते हैं। खेत की आखिरी जोताई के समय 200 से 300 क्विंटल शुद्ध गोबर को खेत में अच्छे से मिलाएं, साथ ही 40 से 50 किलोग्राम नाइट्रोजन, 70 किलोग्राम पोटैशियम, और 60 किलोग्राम फॉस्फोरस जैसे तत्वों को खेत को तैयार करते समय मिलाएं।

खरीफ के फसलों को सिंचाई की ज्यादा आवश्यकता नहीं होती है, लेकिन यदि बारिश नहीं हो रही है, तो फसलों को आवश्यकता अनुसार सिंचाई करें। गर्मियों के मौसम में होने वाली फसलों को 2 से 3 दिनों के अंतराल में सिंचाई करना उपयुक्त होता है।

बीज बोये जाने के ठीक 20-25 दिन बाद, जब पौधे बढ़ने लगते हैं, तब निराई-गुडाई करने से पौधों की अच्छी वृद्धि होती है। इससे फलों की भी अच्छी और अधिक उत्पादन होता है। खेतों में विशेष पौधे, जो खीरे के पौधों की वृद्धि को रोकते हैं, को खेत से निकाल देना चाहिए।

रोग नियंत्रण

खीरे की खेती में पाए जाने वाले कुछ आम रोग निम्नलिखित हैं-

1. विषाणु रोग-

विषाणु रोग खीरे में आमतौर पर पाया जाने वाला रोग है, जो पौधों की पत्तियों पर प्रारंभ होता है और इसका प्रभाव फलों पर पड़ता है।

इस रोग में पत्तियों पर पीले दाग होते हैं और धीरे-धीरे पत्तियां सिकुड़ने लगती हैं। इस बीमारी का प्रभाव फलों पर भी पड़ता है, और वे छोटे और टेडी मेडी बन जाते हैं।

इस रोग को दूर करने के लिए नीम का काढ़ा या गौमूत्र में माइक्रो झाइम को मिलाकर इसे 250 मिलीलीटर प्रति पम्प फसल पर छिड़काव करना उपयुक्त हो सकता है।

2. एन्थ्रेक्नोज

यह रोग मोल्ड के कारण होता है और मौसम के परिवर्तन के कारण हो सकता है। इस रोग में फलों और पत्तियों पर दाग होते हैं।

इस रोग को दूर करने के लिए नीम का काढ़ा या गौमूत्र में माइक्रो झाइम को मिलाकर इसे 250 मिलीलीटर प्रति पम्प फसल पर छिड़काव करना उपयुक्त हो सकता है।

3. चूर्णिल असिता-

इस रोग की वजह से फफूंदों का एक प्रकार (AeriSiphearum) होता है। यह रोग मुख्यत- पत्तियों पर होता है और यह धीरे-धीरे फूल और फलों को प्रभावित करता है।

इस बीमारी में पत्तियों के नीचे सफेद दाग होते हैं, जो धीरे-धीरे बढ़ते हैं और फूल और फलों को प्रभावित करते हैं।

नीम का काढ़ा या गौमूत्र में माइक्रो झाइम को मिलाकर इसे 250 मिलीलीटर प्रति पम्प फसल पर छिड़काव करने से इस रोग को दूर किया जा सकता है।

कीट नियंत्रण

1. एफिड

एफिड खीरे की पौधों पर हमला करते हैं, और ये पौधों के छोटे हिस्सों पर बसे रहते हैं। ये कीट पौधों से रस चूसते हैं, जिसके परिणामस्वरूप पत्तियां पीली पड़ जाती हैं।

इस कीट से बचाव के लिए नीम का काढ़ा या गौमूत्र में माइक्रो झाइम को मिलाकर इसे 250 मिलीलीटर प्रति पम्प फसल पर छिड़काव करें।

2. रेड पम्पकिन बीटिल

ये कीटा लाल रंग का होता है और इसका आकार 5-8 सेंटीमीटर तक का होता है। ये कीटा पौधों की पत्तियों के बीच रहकर उन्हें खाता है।

इस कीट से बचाव के लिए नीम का काढ़ा या गौमूत्र में माइक्रो झाइम को मिलाकर इसे 250 मिलीलीटर प्रति पम्प फसल पर छिड़काव करें।

3. एपिलैकना बीटिल

ये कीट सभी वाइन पौधों पर हमला करते हैं। ये कीट पत्तियों पर हमला करती हैं और उन्हें नष्ट कर देती हैं।

इन कीटों से पौधों को बचाने के लिए नीम का काढ़ा या गौमूत्र में माइक्रो झाइम को मिलाकर इसे 250 मिलीलीटर प्रति पम्प फसल पर छिड़काव करें।

बीज बुवाई के ठिक 2 महीने बाद फसल तैयार हो जाता है, और फसल के तैयर हो जाने पर 2 महिने तक हर 3 से 4 दिन के अन्तराल में फलो की तुड़ाई करें.

हाइब्रिड खीरे और देसी खीरे में ज्यादा उपज किसका होता है?भारत के विभिन्न राज्यों को मिलाकर के भारत देश का देशी खीरे की औसत उपज 50 से 80 क्विंटल प्रति हेक्टेयर होता है. किंतु हाइब्रिड खीरे की औसत उपज 100 से 200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक हो जाती है.

हाइब्रिड खीरा की खेती कैसे की जाती है?

हाइब्रिड खीरा की खेती को खीरे की आधुनिक खेती के कैटेगरी में रखा गया है. आप जानते ही होंगे खीरा के दो प्रकार के बीच इन दिनों मार्केट में उपलब्ध है.

देसी खीरा एवं हाइब्रिड खीरासबसे पहले हाइब्रिड खीरा के बीज के बारे में जान लीजिए

पंजाब सलेक्शन
पूसा संयोग
विनायक हाइब्रिड
कल्यानपुर हरा खीरा
कल्यानपुर मध्यम
हाइब्रिड लाइट ग्रीन
हाइब्रिड वाईट ग्रीन
स्वर्ण अगेती
स्वर्ण पूर्णिमा
पूसा उदय
पूना खीरा
पूसा बरखा
खीरा 90
खीरा 75.

खीरे के हाइब्रिड बीज को नर्सरी या खेत से पहले प्लास्टिक गिलास या पॉलिथीन बैग में मिट्टी भर के बोआई किया जाता है. जब खीरे का बीज अंकुरित हो जाता है और पत्ते निकल जाने के बाद उसे खेत या नर्सरी में विस्थापित किया जाता है.

दिसंबर महीने के शुरू में ही पॉलिथीन बैग में मिट्टी भरकर या गिलास में मिट्टी भरकर खीरे के बीज को उस में डाल दिया जाता है. इस विधि से 1 महीने का समय बढ़ जाता है. जिसके फलस्वरूप आपका फसल मार्केट में एक महीना पहले आ जाता है और आप एक अच्छा रेट पकड़ लेते हैं.

खीरे की मोटाई एवं पैदावार बढ़ाने का क्या साइंटिफिक तरीका है?

अक्सर लोगों को लगता है कि कोई इंजेक्शन लगाने से ऐसा हो जाता होगा. आपको बता दें कि किसी भी प्रकार का इंजेक्शन का प्रयोग करना गैरकानूनी है.

अगर आप सही सिद्धांतिक रूप से खीरे की साइज को बहाना चाहते हैं तो इसके लिए आप, जबकि खीरे के पौधे में फूल लगता है उसमें आप NPK-13045 यूरिया व फोटोस (वाइट फोटोस) और NPK-11040 प्रयोग से उपज बढ़ा सकते हैं

बरसाती खीरा की खेती- सरल और लाभकारी उपाय

भारतीय कृषि सारी दुनिया में मशहूर है, और इसका हिस्सा बनने के लिए एक उत्कृष्ट खेती तकनीक के लिए उपयुक्त भूमि और जलवायु की आवश्यकता होती है। बरसाती खीरा की खेती इसी तरह की खेती है, जो भारत के अधिकांश क्षेत्रों में उपयुक्त है। बरसाती खीरा एक लाभकारी और सरल खेती विचार है, और यह खेतीकारों को अच्छा मुनाफा कमाने का मौका देता है।

1. उपयुक्त भूमि का चयन- बरसाती खीरा की खेती के लिए उपयुक्त भूमि का चयन करना महत्वपूर्ण है। बरसाती खीरा के पौधे आच्छादित जगह पर उगाए जाते हैं जिसमें पूरे दिन सूरज की रोशनी मिले। खीरा की खेती के लिए मिट्टी को अच्छे से खोदना चाहिए ताकि पानी सुच सके और बरसाती खीरा के पौधों को सही ढंग से पानी मिल सके।

2. बीज चुनाव--बीज का चयन एक महत्वपूर्ण निर्णय है। बरसाती खीरा के लिए सुखे और साँचे हुए बीजों का चयन करें, जो उच्च उत्पादकता और बीमारियों से प्रतिरक्षण करने में मदद करें।

3. बोना गया खाद्य--बरसाती खीरा की खेती के लिए खाद्य सामग्री का उचित उपयोग करें। खीरा के पौधों को खुराक प्रदान करने के लिए जैविक खाद्य सामग्री का उपयोग करें, जैसे कि गोबर की खाद, कम्पोस्ट, और जैव उर्वरक।

4. प्रकृतिक जल संचाल- बरसाती खीरा की खेती के दौरान प्रकृतिक जल संचालन का उपयोग करें। वर्षा के पानी को सुझाने और संचित करने के लिए तालाब और खूबसुरत नाले का उपयोग करें।

5. पौधों की देखभाल- बरसाती खीरा के पौधों की देखभाल महत्वपूर्ण है। पौधों को नियमित रूप से पानी दें और उन्हें खाद्य सामग्री के साथ प्रदान करें। पौधों की जड़ें गहरी और मजबूत होनी चाहिए ताकि वे उच्च उत्पादकता प्राप्त कर सकें।

6. बीमारियों और कीटों से बचाव- बीमारियों और कीटों से खीरा के पौधों को सुरक्षित रखने के लिए उचित प्रबंधन करें। कीटों को नियमित अंतराल पर नियंत्रित करें और उचित बीमारी प्रबंधन के उपायों का उपयोग करें।

7. प्रूनिंग और अल्पालन- खीरा के पौधों को प्रून करने का उपयोग करके उच्च उत्पादकता प्राप्त करें। अल्पालन का उपयोग करके पौधों को खेत में उच्च ताक पर उगाएं ताकि वे सड़ने और बीमारियों से बच सकें।

8. पानी की बचत- बरसाती खीरा की खेती के दौरान पानी की बचत करना महत्वपूर्ण है। खीरा के पौधों को प्राथमिक रूप से पानी दें और उन्हें जल संचालन की सहायता से पानी प्रदान करें।

9. बाजार में बेचाव- अच्छी गुणवत्ता वाले बरसाती खीरा को बाजार में बेचने के लिए एक स्थिर बाजार का चयन करें। उच्च मूल्य प्राप्त करने के लिए खीरा को स्वयं बाजार में पहुंचाने का प्रयास करें।

10. उत्पादन और मूल्य वृद्धि- बरसाती खीरा की खेती के साथ-साथ उत्पादन को बढ़ाने और मूल्य वृद्धि के उपायों का उपयोग करके अधिक लाभ कमाने का प्रयास करें। उत्पादों को सुधारने के लिए उच्च गुणवत्ता के पैकेजिंग और ब्रांडिंग का उपयोग करें।

संक्षेप- बरसाती खीरा की खेती एक सरल और लाभकारी खेती विचार है, जो भारतीय कृषि के लिए महत्वपूर्ण है। इस खेती को अच्छी तरह से प्रबंधित करने के उपायों का पालन करके किसान अधिक मुनाफा कमा सकते हैं और खीरा की खेती में सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

विभिन्न मौसमों में स्थानीय खीरे और संकर खेती लाभदायक और टिकाऊ हो सकती है। किसान आज की तकनीक और जानकारी का उपयोग करके अपनी खीरे की उपज और गुणवत्ता को बदल सकते हैं।

सफलता सुनिश्चित करने के लिए, सही संकर किस्मों का चयन करना और उसके अनुरूप खेती के तरीकों को अपनाना महत्वपूर्ण है।

इसके अलावा, मौसम की स्थिति को जानकर और सही सिंचाई प्रणालियों को लागू करने से किसी भी संभावित बाधा को कम करने में मदद मिल सकती है। सही ज्ञान और अभ्यास के साथ, किसान पूरे वर्ष खीरे की खेती से खुश रह सकते हैं।